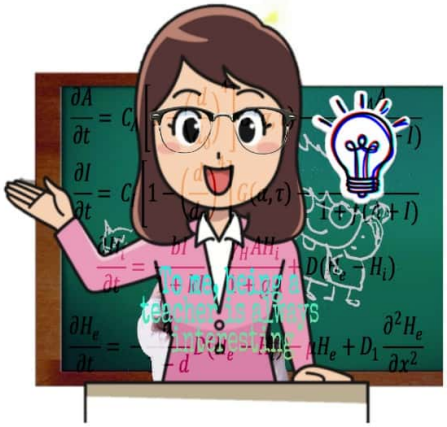

कोरोना योद्धाओं को समर्पित

प्रयास...

कठिन दौर में भी बढ़ते कदम

(कोरोना संकटकाल में भी बागपत के बेसिक शिक्षकों ने जलाए रखी ज्ञान ज्योति)

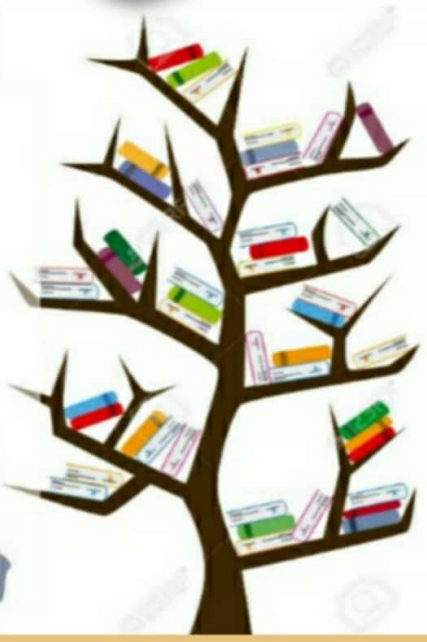

बेसिक शिक्षा विभाग, बागपत द्वारा प्रकाशित

:: हमारे मार्गदर्शक ::

राजीव रंजन कुमार मिश्र (PES)

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,बागपत

सम्पादक

विकास मलिक

सहायक अध्यापक

पूर्व माध्यमिक विद्यालय,इदरीशपुर

बिनौली (बागपत) उ0प्र0

vikasmalik1999@gmail.com

सह सम्पादक

शानू निगम

सहायक अध्यापिका

उच्च प्राथमिक विद्यालय,सिंगोली तगा,

खेकड़ा,बागपत

Kabumathur@gmail.com

रेनू पँवार

सहायक अध्यापिका

प्राथमिक विद्यालय बिनौली न.01

बिनौली (बागपत)

renupanwarr@gmail.com

शालू सिंह

सहायक अध्यापक

उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनावा

विकास क्षेत्र-बिनौली

(बागपत) singhshalu469@gmail.com

दिनेश कुमार वर्मा

सहायक अध्यापक

प्राथमिक विद्यालय पॉवला न 02

बागपत उ0प्र0

dinesh.tr25@gmail.com

Dr. SATYA PAL SINGH
Member of Parliament
(Lok Sabha) Baghpat, Uttar Pradesh
CHAIRPERSON
Joint Committee on Offices of Profit

सत्यमेव जयते

218, Block 'B'
Parliament House Annexe Extension,
New Delhi-110 001
Phone : 011-23035739, 21410293
Fax : 011-21410294

सं.73/2020-21/370
जून 01, 2020

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि कोविड-19 द्वारा उत्पन्न वैश्विक संकटकाल के दौरान भी जनपद बागपत के शिक्षकों द्वारा विभिन्न संचार माध्यमों का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण कराया जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम को अधिक सरल बनाने के लिए विभिन्न विधाओं एवं नवाचारों का प्रयोग किया गया है। ऐसे ही नवाचारों का संकलन 'प्रयास -कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' नामक पत्रिका के रूप प्रकाशित किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि अन्य सभी शिक्षक भी इस पत्रिका को प्रेरक के रूप में ग्रहण करते हुए अपने शिक्षण में तकनीक व नवाचारों को सम्मिलित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में विशेष भूमिका का निर्वहन करेंगे। मैं इस पत्रिका के निर्माण व प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, संपादक मंडल एवं सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं और आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। आप सभी बेसिक शिक्षा के उत्तरोत्तर उन्नयन के लिए सदैव इसी प्रकार कार्य करते रहें यही मेरी शुभकामनाएं है।

(डॉ सत्य पाल सिंह)

Residence: 9, Gurudwara Rakab Ganj Road, New Delhi-110 001 • Phone: 011-23015800, 07534006112 (M)

रेनू धामा
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बागपत

निवास : बेहटा हाजीपुर (गाजियाबाद)
ऑ 0121-2220376, नि: 0120-2601131
मो.: 09810741835, 09810463330

पत्रांक......................../अध्यक्ष कैम्प/ दिनांक........................

03.06.2020

<u>शुभकामना संदेश</u>

कोविड–19 महामारी के इस कठिन समय में जब छात्र–छात्राओं की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई है जब बेसिक शिक्षा विभाग बागपत के द्वारा किये गये उत्तरदायित्व पूर्ण प्रयासों के संकलन **<u>प्रयास–कठिन दौर में भी बढ़ते कदम</u>** के प्रकाशन पर मेरी ओर से विभागाध्यक्ष, संपादक, शिक्षकों एवं समस्त सहकर्मियों को हार्दिक शुभाकामनाऐ।

आप सभी ने न केवल अपने विभागीय उत्तरदायित्व को परिपूर्णता के साथ वहन किया है वरन एक सजग देशवासी के रूप में भी हर कर्तव्य को निभाया है।

आपके द्वारा अपने वेतन से मा0 प्रधानमंत्री केयर्स फंड तथा मा0 मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता देने के साथ–साथ जिला प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट कार्यो का भी तन्मयता के साथ निर्वहन किया गया है।

आपके द्वारा इस कठिन समय में जनपद के शिक्षा क्षेत्र में किये गये इस उत्कृष्ट प्रयासो के लिए पुनः आपको शुभकामनाएं इस आशा और विश्वास के साथ कि आप जनपद ही नही बल्कि प्रदेश स्तर पर अपने इस प्रयासों से सभी को लाभान्वित करने में सफल होगें।

मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

(रेनू धामा)

सहेन्द्र सिंह
विधायक (B.J.P.)
विधानसभा छपरौली
जिला बागपत (उ०प्र०)

सदस्य विधान सभा
उत्तर प्रदेश

निवास स्थान
दिल्ली-सहारनपुर रोड, निकट भारत धर्मकाँटा
बावली चुंगी, बड़ौत (बागपत)
क्र-6 № 229495

मो०नं०: 9872100042, 8887150850
E-mai mla chhaprauli@gmail com

30-5-2020

::शुभकामना सन्देश ::

बहुत ही हर्ष और प्रसन्नता का विषय है कि कोविड -19 वैश्विक संकट काल के दौरान भी बागपत के शिक्षकों द्वारा विभिन्न संचार माध्यमों का प्रयोग करते हुये विदियार्थियों को आनलाइन शिक्षण करवाया जा रहा है । आनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम को अधिक सरल बनाने के लिए विभिन्न विधायों एवं नावाचारों का प्रयोग किया गया है । ऐसे नवाचारों का संकलन "प्रयास - कठिन दौर मे भी बढ़ते कदम" नामक पत्रिका के रूप मे प्रकाशित किया जा रहा है । मुझे विश्वास है कि अन्य सभी शिक्षक भी इस पत्रिका को प्रेरक के रूप मे ग्रहण करते हुये अपने शिक्षण मे तकनीक व नवाचारों से विदियार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण व प्रकाशन मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे । मैं इस पत्रिका के निर्माण व प्रकाशन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, संपादक मण्डल एवं सभी शिक्षकों को बधाई और शुभ कामना देता हूँ ।

सादर

सहेन्द्र सिंह

के० पी० मलिक
विधायक
बड़ौत विधानसभा (बागपत)

निवास :
देवनगर, बड़ौत (बागपत)
दूरभाष : 9412224000, 9756201121
E-mail: pkmalikm@gmail.com

दिनांक .....

04 / 06 / 2020

शुभकामना संदेश

कोविड–19 महामारी के इस कठिन समय में जब छात्र–छात्राओं की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई है, जब बेसिक शिक्षा विभाग बागपत के द्वारा किये गये उत्तरदायित्व पूर्ण प्रयासों के संकलन **प्रयास–कठिन दौर में भी बढ़ते कदम** के प्रकाशन पर मेरी ओर से विभागाध्यक्ष, संपादक, शिक्षको एवं समस्त सहकर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

आप सभी ने न केवल अपने विभागीय उत्तरदायित्व को परिपूर्णता के साथ वहन किया है वरन एक सजग देशवासी के रूप में भी हर कर्तव्य को निभाया है।

आपके द्वारा अपने वेतन से मा० प्रधानमन्त्री केयर्स फंड तथा मा० मुख्यमन्त्री राहत कोष में आर्थिक सहायता देने के साथ साथ जिला प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट कार्यो का भी तन्मयता के साथ निर्वहन किया गया है।

आपके द्वारा इस कठिन समय में जनपद के शिक्षा क्षेत्र में किये गये इन उत्कृष्ट प्रयासो के लिए पुनः आपको शुभकामनाएं इस आशा और विश्वास के साथ कि आप जनपद ही नही बल्कि प्रदेश स्तर पर अपने इस प्रयासो से सभी को लाभान्वित करने में सफल होगे।

मै आपका सदैव आभारी रहूँगा।

(के०पी० मलिक)

योगेश धामा

विधायक (भाजपा)
52–बागपत विधानसभा
जिला बागपत उ0प्र0

आवास : ग्राम बेहटा हाजीपुर
वि0ख0–लोनी, जनपद गाजियाबाद
लखनऊ निवास : बी–203, बहुखण्डीय माल एवेन्यू
लखनऊ

ख–6 № 195360

मो : 9810741835

दिनाँक ....

03.06.2020

शुभकामना संदेश

कोविड–19 महामारी के इस कठिन समय में जब छात्र–छात्राओं की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई है जब बेसिक शिक्षा विभाग बागपत के द्वारा किये गये उत्तरदायित्व पूर्ण प्रयासों के संकलन <u>प्रयास–कठिन दौर में भी बढ़ते कदम</u> के प्रकाशन पर मेरी ओर से विभागाध्यक्ष, संपादक, शिक्षकों एवं समस्त सहकर्मियों को हार्दिक शुभाकामनाऐ।

आप सभी ने न केवल अपने विभागीय उत्तरदायित्व को परिपूर्णता के साथ वहन किया है वरन एक सजग देशवासी के रूप में भी हर कर्तव्य को निभाया है।

आपके द्वारा अपने वेतन से मा0 प्रधानमंत्री केयर्स फंड तथा मा0 मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता देने के साथ–साथ जिला प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट कार्यो का भी तन्मयता के साथ निर्वहन किया गया है।

आपके द्वारा इस कठिन समय में जनपद के शिक्षा क्षेत्र में किये गये इस उत्कृष्ट प्रयासो के लिए पुनः आपको शुभकामनाएं इस आशा और विश्वास के साथ कि आप जनपद ही नही बल्कि प्रदेश स्तर पर अपने इस प्रयासों से सभी को लाभान्वित करने में सफल होगें।

मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

(योगेश धामा)

:: शुभकामना संदेश ::

कोरोना संकट की इस घडी में यह संतोषप्रद है कि जनपद बागपत के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कतिपय महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की जा रही है । सम्मानित शिक्षकों , शिक्षामित्रों , खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं कार्यालय स्टॉफ द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के 'मुख्यमन्त्री केयर्स फण्ड' में सहर्ष एक दिन के वेतन का योगदान किया गया है । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा भी मा० मुख्यमन्त्री केयर्स फण्ड, उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मा0 मुख्यमन्त्री केयर्स फण्ड, बिहार एवं मा० प्रधानमंत्री केयर्स फण्ड में एक-एक दिन के वेतन का योगदान किया गया है । जिला प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट कार्यों का भी विभाग द्वारा निर्वहन किया जा रहा है । बेसिक शिक्षकों द्वारा कोरोना लॉकडाउन अवधि में विभागीय निर्देशों के अतिरिक्त स्वयं के स्तर पर शैक्षिक नवाचारों का प्रयोग कर बच्चों की शिक्षा हेतु किए जा रहे प्रयास सराहनीय है । मेरा ऐसा मत है कि उपरोक्त प्रयासों को समाहित कर प्रकाशित की जा रही यह पत्रिका 'प्रयास -कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' अन्यों के लिए भी प्रेरणास्पद सिद्ध होगी तथा सेवा कार्य सम्पादित किए जाते रहेंगे ।

शुभकामनाओं सहित

अमित कुमार सिंह

अपर जिलाधिकारी, बागपत ।

भारतीय जनता पार्टी

सूरजपाल सिंह
जिलाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
जनपद - बागपत

निवास :
ग्राम युढेड़ा, जनपद बागपत
पिन कोड - 250611
E.mail:-surajpalsingh998877@gmail.com
मो०: 9760093804, 9412200805

दिनांक 31-05-2020

:: शुभकामना सन्देश ::

बहुत ही हर्ष और प्रसन्नता का विषय है कि बेसिक शिक्षा विभाग,बागपत में कार्यरत शिक्षकों द्वारा विभाग के सहयोग से कोरोना नामक वैश्विक महामारी के कठिन दौर में भी " प्रयास- कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' नामक पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है । इस पुस्तक में कोरोना संकटकाल में जनपद के शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन शिक्षण में किये गये विभिन्न नवावार सम्मिलित है । यह पुस्तिका बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उपयोगी सिद्ध होगी तथा विद्यालयों के शैक्षिक एवं भौतिक परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनेगी । पुस्तिका शिक्षकों को प्रेरित करने के साथ - साथ , नवीन तकनीक के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने में भी अहम भूमिका अदा करेगी , जोकि सन्देह प्रेरणादायक एवं दूरगामी परिणाम वाला है । मेरा पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तिका बेसिक शिक्षा को एक नई दिशा व दशा देने का कार्य करेगी । सम्पादक मण्डल,शिक्षकों एवं अधिकारियों को मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

सूरजपाल गुर्जर
जिलाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
जनपद-बागपत

Regd. Under S.R. Act XXI of 1860
Reg. No.: S/3249/SDM/NW/2018

GUHAR

Global Upliftment Of Human Advocacy And Right

दीपक कुमार
अध्यक्ष (गुहार)
फोन न.: 9560931074
ई.मेल: deepak.kumar@guhar.org

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त गर्व हो रहा है कि वर्तमान वैश्विक महामारी के समय बेसिक शिक्षा विभाग, जनपद बागपत, उत्तर प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों के द्वारा **"प्रयास–कठिन दौर में भी बढ़ते कदम"** नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें जनपद बागपत के कुछ कर्मठ शिक्षकों द्वारा लॉकडाउन के समय अपने–अपने विद्यालयों में अनेक तकनिकी माध्यमों द्वारा शिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु किए गए नवाचारों एवं गतिविधियों का संकलन किया गया है। आप सभी शिक्षक पुरे शैक्षिक जगत के लिए प्रेरणास्त्रोत है एवं मुझे पूर्ण आशा है कि आपके द्वारा किए गए नवाचारों से सभी शिक्षक उत्प्रेरित होकर अपने विद्यालयों में शिक्षण स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करेंगे।

कोरोना महामारी के चलते जिस तरीके से भारत तथा विश्व के अधिकांश देशों में पूर्ण लॉकडाउन नीति अपनाई गई है, उससे न केवल स्वास्थ्य बल्कि सामाजिक–आर्थिक के साथ शिक्षा क्षेत्र भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हमें अपने कर्तव्य को समझते हुए इस दौर में स्कूल बंद होने की वजह से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने के प्रयास में नए नवाचारों एवं आयामों पर अध्ययन करना होगा। हालाँकि ग्रामीण क्षेत्रों में इन बदलावों से थोड़ी कठिनाई तो सामने आएगी लेकिन हमें स्कूलों में शैक्षणिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तकनिकी माध्यम का प्रयोग करते हुए छात्रों को शैक्षणिक कार्य से जोड़ना होगा।

मैं गुहार की तरफ से श्री विकास मालिक जी एवं उनकी पूरी टीम को इस कार्य के लिए बधाई देता हूँ एवं आशा करता हूँ कि आप सभी शिक्षक इसी प्रकार शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कार्य करते हुए शैक्षिक जगत में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

दीपक कुमार
दिनांक: 31/05/2020

፧ शुभकामना संदेश ፧

अत्यंत हर्ष का विषय है कोविड-19 वैश्विक संकटकाल के दौरान भी बागपत के शिक्षकों द्वारा विभिन्न संचार माध्यमों का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण कराया जा रहा है। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम को अधिक सरल बनाने के लिए विभिन्न विधाओं एवं नवाचारों का प्रयोग किया गया है। ऐसे नवाचारों का संकलन ' प्रयास -कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' नामक पत्रिका के रूप प्रकाशित किया जा रहा है।मुझे विश्वास है कि अन्य सभी शिक्षक भी इस पत्रिका को प्रेरक के रूप में ग्रहण करते हुए अपने शिक्षण में तकनीक व नवाचारों से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में विशेष भूमिका का निर्वहन करेंगे। मैं इस पत्रिका के निर्माण व प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, संपादक मंडल एवं सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं ।आप सभी बेसिक शिक्षा के उत्तरोत्तर उन्नयन के लिए सदैव इसी प्रकार कार्य करते रहें यही मेरी शुभकामनाएं है।

शुभकामनाओं सहित

रमेश शर्मा

अपर शिक्षा निदेशक (Rtd.)

एवं

सदस्य

माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड

उत्तर प्रदेश

:: शुभकामना संदेश ::

बेसिक शिक्षा विभाग एवं शिक्षकों के सामूहिक सहयोग से 'प्रयास - कठिन दौर में भी बढते कदम' पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है । अत्यन्त हर्ष का विषय है कि कोविड -19 वायरस के संकटकाल के समय में भी शिक्षकों की विद्यार्थियों के साथ सतत शैक्षिक गतिविधियों को जारी रखने के प्रयास की मैं भूरी - भूरी प्रशंसा करता हूँ । निःसन्देह इस समय आपके इस तरह के सराहनीय प्रयासों की अति आवश्यकता है, अधिक से अधिक शिक्षकों को इस 'प्रयास - कठिन दौर में भी बढते कदम' नामक पथ पर चलकर अधिकांश विद्यार्थियों को व्हाट्सअप , रेडियो , टीवी , मोबाइल आदि संवाद के माध्यम से जोडकर स्वस्थ समाज की बुनियाद रखने के प्रयास बढाये जायें । इस पुस्तिका के शिक्षा के अर्न्तगत बढते कदमों के लिए सभी शिक्षकों को राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के योगदान हेतु शुभकामनाओं के सुमन अर्पित करता हूँ ।

सस्नेह!

विनय कुमार गिल

प्राचार्य / उप - शिक्षा निदेशक
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
बड़ौत , जनपद - बागपत ।

शुभकामना सन्देश

अपार हर्ष एवं प्रसन्नता का विषय है कि बेसिक शिक्षा विभाग, जनपद बागपत के अन्तर्गत कार्यरत शिक्षकों द्वारा विभाग के सहयोग से वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के संकटकाल में "प्रयास- कठिन दौर में भी बढते कदम" नामक पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पुस्तिका में कोरोना संकटकाल में जनपद के शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन शिक्षण में किये गये विभिन्न नवाचार सम्मिलित है।

यह पुस्तिका बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी तथा विद्यालयों के शैक्षिक एवं भौतिक परिवेश में उत्तरोत्तर उन्नयन का आधार बनेगी। यह पुस्तिका शिक्षकों को प्रेरित करने के साथ-साथ, नवीन तकनीक के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने में भी अहम भूमिका अदा करेगी, जो नि:सन्देह प्रेरणादायक एवं दूरगामी परिणाम वाला है।

मेरी शुभकामना एवं विश्वास है कि यह पुस्तिका बेसिक शिक्षा को एक नई दिशा व दशा देने का कार्य करेगी।

(ओम दत्त सिंह) P.E.S.
जिला विद्यालय निरीक्षक
बागपत।

:: शुभकामना संदेश ::

बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि बेसिक शिक्षा विभाग जनपद बागपत के शिक्षको ने आईसीटी के विभिन्न साधनों का प्रयोग करते हुए वैश्विक महामारी COVID -19 संकट काल में भी विभिन्न नवाचारों के द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक उत्तम शिक्षण की व्यवस्था को बनाये रखा है ऐसे शिक्षकों के नवाचारों को 'प्रयास- संकट काल में भी बढ़ते कदम' नामक पत्रिका में संकलित करके बेसिक शिक्षा विभाग,बागपत द्वारा अनुकरणीय एवं सराहनीय कार्य किया जा रहा है। नि:संदेह यह पुस्तिका बेसिक शिक्षकों के लिए प्रेरणा देने के साथ-साथ नवीन तकनीक द्वारा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए भी अहम भूमिका अदा करेगी। इस पुस्तिका के प्रकाशन में मार्गदर्शन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ,संपादक मंडल के साथ-साथ तथा नवाचार प्रस्तुत करने वाले सभी शिक्षकों को बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

प्रताप नारायण सिंह

सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक)

लखनऊ मंडल,लखनऊ

:: मंगल कामना ::

लगभग तीन माह पूर्व कार्यभार ग्रहण करने के समय से कोरोना कालखंड में मण्डलीय बेसिक शिक्षा व्यवस्था का साक्षी रहा हूं । मण्डल के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निरन्तर इस बात के लिए प्रेरित करता रहा हूं कि कोरोना संकटकाल के इस दौर में बच्चों का शिक्षण न्यूनतम प्रभावित हो । इस बात का संतोष है कि विभागीय निर्देशों के क्रम में शिक्षण कार्य जारी रखने के साथ ही कतिपय सम्मानित शिक्षकों द्वारा इस संकट काल में नवाचारी प्रयास भी किए हैं।

लॉक डाउन दौर में जनपद बागपत के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए गए प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जनपद के सम्मानित शिक्षकों द्वारा सेवा कार्य के अतिरिक्त बच्चों से कराई गई ऑनलाइन गतिविधियां जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बागपत के माध्यम से मेरे संज्ञान में लाई जाती रही है । जनपद के सम्मानित शिक्षकों को विशेष रुप से श्री विकास मलिक के संपादन में प्रकाशित हो रही है यह पत्रिका प्रेरणास्पद एवं अनुकरणीय है।

बेसिक शिक्षा विभाग जनपद बागपत को मेरी शुभकामनाएं..

राजेश श्रीवास

मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक)

मेरठ

कर्तव्य बोध

शिक्षा स्वभावतः व्यक्ति के सर्वांगीण विकास से सम्बद्ध होती है क्योंकि इसकी उत्पत्ति जिज्ञासा से होती है एवं जिज्ञासा (curiosity) संवेदनशीलता (sensitivity) से उत्पन्न होती है। कोरोना संकट के इस कालखंड में प्रत्येक व्यक्ति से संवेदनशीलता अपेक्षित है क्योंकि इस कालखंड में हमारे निर्धारित कर्तव्यों के अतिरिक्त सेवाभाव की भी महती आवश्यकता है। सौभाग्यवश यह प्रत्येक स्तर पर दृष्टिगत भी हो रही है। कोरोना संकट प्रारंभ होने के लगभग 10 माह पूर्व दिनांक 16 जून 2019 को उत्तर प्रदेश के इतिहास में प्रथम बार माननीय मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों का पृथक से उदबोधन (address) कर उन्हें दायित्वबोध (sense of responsibility) कराने के साथ ही गौरवान्वित एवं कृतार्थ किया। माननीय बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जी ने अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही विभाग की समस्याओं एवं अच्छाइयों के प्रति जिज्ञासा प्रकट कर अपनी संवेदनशीलता दर्शायी है तथा कोरोना संकट के दौरान विभाग द्वारा किए गए योगदान की प्रशंसा कर उत्साहवर्धन एवं कृतार्थ किया है। अपर मुख्य सचिव महोदया, निदेशक स्कूल शिक्षा महोदय, विशेष सचिव महोदय, निदेशक बेसिक शिक्षा एवं एससीईआरटी महोदय तथा अपर राज्य परियोजना निदेशक महोदय ने भी अपनी टीम के साथ सर्वदा-सर्वथा अपना सम्यक अभिभावकत्व(appropriate guardianship) प्रदान कर हमें सदैव कर्तव्यपथ पर अग्रसर होने हेतु प्रेरित एवं कृतार्थ किया है। जनपद के माननीय जनप्रतिनिधि यथा माननीय सांसद महोदय, माननीया जिला पंचायत अध्यक्ष महोदया, माननीय विधायक गण (छपरौली, बड़ौत तथा बागपत विधानसभा), माननीय जिला अध्यक्ष महोदय एवं श्री दीपक कुमार (प्रवक्ता,दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष,गुहार एनजीओ) साधुवाद (thanks) के पात्र हैं कारण कि आपने कोरोना कालखंड के पूर्व एवं दौरान जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग को सहयोग एवं संबल प्रदान किया है। जिला प्रशासन बागपत, विशेषतः जिलाधिकारी महोदया, अपर जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने भी सदैव सक्रिय मार्गदर्शन प्रदान कर विभाग को उपकृत (obliged)किया है।

कोरोना कालखंड के दौरान धरातल पर कार्य करने वाले बेसिक शिक्षा परिवार के सम्मानित सदस्यों यथा शिक्षकों, शिक्षामित्रों,अनुदेशकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना सराहनीय योगदान किया है। अपने एक दिवस का वेतन माननीय मुख्यमंत्री जी केयर्स फंड में प्रदान करने के अतिरिक्त कतिपय सम्मानित शिक्षकों द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी केयर्स फंड में भी योगदान किया है जो श्लाघ्य (commendable) है कतिपय सम्मानित शिक्षकों-शिक्षिकाओं द्वारा संकट के इस दौर में जनपद स्थित गौशालाओं में सहयोग राशि प्रदान करना एवं प्रवासी श्रमिकों के प्रति सेवाभाव से भोजन,वस्त्र,दवाइयों आदि की सहायता किया जाना भी सेवाभाव का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है । इन सेवाधर्मी कार्यों से इतर (apart) जनपद के सम्मानित शिक्षकों द्वारा बच्चों के ऑनलाइन शिक्षण हेतु विभाग से प्राप्त निर्देशों का पालन करने का यथासंभव प्रयास किया गया है। कतिपय शिक्षकों-शिक्षिकाओं जिनमें से कई प्रदेश स्तर एवं प्रदेश से अन्यत्र भी सम्मानित हो चुके हैं, ने बच्चों के शिक्षण हेतु इस संकटकाल में कतिपय नवाचारी प्रयास (innovative practices) किए हैं, ये सभी विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। जिला प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट कार्यों यथा क्वॉरेंटाइन सेंटर पर ड्यूटी करना, जरूरतमंद व्यक्तियों तक राशन पहुंचाना, राशन वितरण कराना, निगरानी समितियों में भूमिका अदा करना इत्यादि का निर्वहन बेसिक शिक्षा परिवार के सदस्यों द्वारा सम्यक रूप से किया गया है अतः ये सेवारत अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी धन्यवाद के पात्र हैं। कोरोना कालखण्ड में ही कार्यभार ग्रहण करने वाले हमारे मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक महोदय का मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के लिए बहुत आभार साथ ही पूर्व अपर शिक्षा निदेशक महोदया व सहायक शिक्षा निदेशक महोदय,लखनऊ मण्डल को कोटिशः धन्यवाद जिन्होंने जनपद से दूर रहते हुए भी बेसिक शिक्षा परिवार बागपत को मार्गदर्शन व प्रोत्साहन प्रदान किया है।

मेरा मत है कि उपरोक्त कार्यो विशेषतः लॉकडाउन की परिस्थिति में बच्चों के शिक्षण हेतु सम्मानित शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों को समाहित कर श्री विकास मलिक के संपादन में प्रकाशित हो रही यह पत्रिका 'प्रयास-कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक सिद्ध होगी। मुझे आशा एवं विश्वास है कि बेसिक शिक्षा परिवार जनपद बागपत के सम्मानित सदस्यों द्वारा निरंतर कर्तव्य बोध के प्रति तत्परता(readiness) का परिचय दिया जाता रहेगा ।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएं एवं धन्यवाद।

राजीव रंजन कुमार मिश्र

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

बागपत

मन की बात

जैसा कि आप सभी अवगत ही हैं कि जनपद बागपत में बेसिक शिक्षको के मध्य एक अलग ही हलचल महसूस हो रही है। लॉक डाउन की अवधि के दौरान भी बेसिक शिक्षको में अपने शिक्षण कार्य के प्रति एक अलग ही जोश व उत्साह देखते बन रहा है जो विभिन्न माध्यमो से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान कर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से निरंतर जोड़े रख रहे हैं। पिछले कुछ समय मे मैंने ऐसा अनुभव किया है जो भविष्य के लिए सुखद संकेत का एहसास करा रहा है। शायद हम सभी को अपनी उस सकारात्मक संकल्प की शक्ति से भरोसा उठ रहा था जिस शक्ति ने शिक्षा के उत्थान में पथ प्रदर्शक का काम किया है।यही कारण है कि दिन प्रतिदिन शिक्षको की सोच में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है और खुद आगे आकर अपने अच्छे कार्यो को एक दूसरे से साझा कर रहे हैं।साथ ही उनसे अनेक शिक्षक भी प्रेरित होकर सीखने सिखाने में एक नयापन ला रहे है। उन सभी शिक्षको को प्रेरित करने का कार्य कुछ स्वयंसेवी मंचो यथा मिशन शिक्षण संवाद,नवोदय क्रांति,मिशन अभ्युदय आदि द्वारा किया जा रहा है जिसका असर शिक्षको द्वारा किये जा रहे नवाचारों से दिख रहा है।अब सरकार द्वारा भी मिशन प्रेरणा के माध्यम से भी शिक्षको को प्रेरित किया जाने लगा है जिसमे जनपद के सभी SRG व ARP अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

अभी तक हमने अपने जीवन में मेहनत और सत्य की सकारात्मक शक्ति को बहुत ही करीब से देखा है, महसूस किया है और उस जीवन को जिया भी है।मेहनत का कोई विकल्प नही होता और सत्य हर काल और परिस्थितियों में सार्थक होता है और भविष्य में भी रहेगा।

इसलिए विनम्रता के साथ निवेदन है कि यदि हम सभी शिक्षक साथी इसी तरह हाथ से हाथ मिलाकर मेहनत और सत्य का सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर अविचलित होते हुए सतत एक साथ आगे बढ़ते रहे तो हम सबको वह सब कुछ मिलेगा जिसके हम सब हकदार होंगे। हम सभी का मुख्य कर्तव्य शिक्षण को रुचिकर व सरल बनाना है जिससे प्रत्येक बच्चे से उनकी कक्षानुसार लर्निंग आउटकम की प्राप्ति सम्भव हो सके।अतः हम सभी को सम्मिलित प्रयासों से बेसिक शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक ले जाना है जिससे अपना खोया सम्मान वापस पाया जा सके साथ ही हम सभी बेसिक शिक्षा के स्वर्णिम व उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद में अपना योगदान दे सकें।

ध्यान रहे कि समय से पहले व भाग्य से ज्यादा किसी को नही मिलता इसलिए अपने रास्ते पर अविचल रहते हुए निरंतर अपने कर्तव्य पथ पर गतिमान रहें और एक आदर्श शिक्षक की अवधारणा को साकार करने के लिए तन मन धन से जुट जाएं। आप लोग अपने पथ से कतई विचलित नहीं होना चाहे कितनी भी विषम परिस्थितियां क्यों न उत्पन्न हो जाये।

आप सभी साथियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश---
कभी भी एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करिए बल्कि मूल्यों पर चलने वाले इंसान बनने की कोशिश करें।

धन्यवाद🙏
आपका साथी
अनुज कुमार नेहरा
सहायक अध्यापक
प्राथमिक विद्यालय सहड़भर नंबर 3
विकास क्षेत्र पिलाना
बागपत
Mob- 9456628207
Email- anujnehra6@gmail.com

सम्पादकीय

मुझे यह अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है कि जनपद बागपत के बेसिक शिक्षा विभाग के इतिहास में प्रथम बार एक पत्रिका "प्रयास-कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें जनपद बागपत में कोरोना लॉकडाउन की अवधि में कुछ समर्पित व कर्मठ शिक्षक साथियों द्वारा किये गए नवाचारों व गतिविधियों का संकलन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य उन नवाचारों व गतिविधियों को शिक्षक समाज व समुदाय के सामने लाना है जिनको हमारे अनेक साथी अपने शिक्षण में लगातार प्रयोग करते रहते है। हमे पूर्ण विश्वास है कि इन नवाचारों व गतिविधि आधारित शिक्षण संकलन से अन्य शिक्षक भी प्रेरित होकर आगे बढने का प्रयास करेंगे एवं नित नवीन प्रयोगों से छात्र-छात्राओं को लाभान्वित कर अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

किसी भी अच्छे कार्य के मूल में कोई न कोई प्रेरणा छिपी होती है,यह प्रेरणा हमे मिली अपने जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री राजीव रंजन कुमार मिश्र जी से। लॉकडाउन के समय मे जब हम सभी शिक्षकों ने अपना एक दिन का वेतन माननीय मुख्यमन्त्री केयर्स फंड में कोरोना राहत हेतु दिया तब इन्होंने भी एक दिन का अपना वेतन तो हमारे साथ दिया ही इसके अतिरिक्त भी उन्होंने अपना एक-एक दिन का वेतन माननीय प्रधानमंत्री केयर्स फण्ड व माननीय मुख्यमन्त्री जी राहत कोष,बिहार में कोरोना राहत कार्यो हेतु दिया। इसी के साथ-साथ जनपद में संचालित गौशालाओं में समय-समय पर डोनेशन देने के साथ ही लॉकडाउन में सरूरपुर स्थित गौशाला में भी चारे की व्यवस्था हेतु भी इन्होंने अपने वेतन से एक भाग दिया। इनके इन प्रेरणादायक कार्यो से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में जनपद के शिक्षको द्वारा भी माननीय प्रधानमंत्री केयर्स फंड व गौशालाओं हेतु धनराशि दान की गई। इसके अतिरिक्त कोरोना से बचाव हेतु अपने कार्यालय में प्रवेश द्वार पर कार्यालय स्टाफ एवं जनसामान्य हेतु सेनेटाइजर उपकरण की व्यवस्था इनके द्वारा अपने स्वयं के व्यय पर की जो हम सबके लिए अपने-अपने विद्यालयों हेतु प्रेरणादायक हो सकता है।

ऐसे ही प्रेरणादायी कार्यो से प्रेरित जनपद बागपत के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कुछ शिक्षकों ने अपने व्यक्तिगत प्रयासों व सामाजिक सहयोग से अपने कार्यरत विद्यालय को बेहतरीन बनाकर बेसिक शिक्षा की व्यवस्था में जान फूंकने का एक सफल प्रयास किया जिन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत धन व संसाधनों का प्रयोग कर अपने विद्यालयों के भौतिक परिवेश को सुधारा है बल्कि पठन-पाठन में भी अपने नवीन प्रयोगों व गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करने का सफल प्रयास किया है, यही कारण है कि अब समाज व अभिभावकों की सोच में भी सरकारी विद्यालयों के प्रति बदलाव दिखने लगा है जिसका साफ-साफ असर प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को आयोजित विद्यालय प्रबंध समिति की मासिक बैठकों में अभिभावकों व समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति व प्रतिवर्ष बढ़ रहे नामांकनों से परिलक्षित हो रहा है, यह बदलाव आने वाले समय मे बेसिक शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इन सभी शिक्षको के विचारों, नवाचारों व गतिविधियों का संकलन करके 'प्रयास-कठिन दौर में भी बढ़ते कदम' के माध्यम से बागपत सहित उत्तर प्रदेश के अन्य सभी जिलों में पहुंचाने का एक प्रयास भर किया गया है। हमारा मानना है कि जब तक शिक्षक कार्य करने के लिए स्वप्रेरित नही होगा तब तक न तो शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार हो सकेगा और न ही शिक्षक का सम्मान सुरक्षित रह सकेगा लेकिन ये प्रेरणा हमे किस प्रकरण,किस परिस्थिति या किस व्यक्तित्व से मिल जाये यह निश्चित नही होता है लेकिन इसके लिए हमे सतत प्रयासरत रहना ही होगा।

यह पत्रिका हमारी टीम का प्रथम प्रयास है जिसे हम सबने 07 दिन के अल्प समय मे तैयार करने का प्रयास किया है चूंकि कोविड-19 महामारी के कारण समस्त मार्किट, साइबर कैफे व परिवहन व्यवस्था आदि बन्द थी इसलिए सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करते हुए हमने इस पुस्तिका के निर्माण में केवल मोबाइल का ही प्रयोग किया है जिसमे फोन कॉल्स, लिखित सामग्री, डेटा संग्रह, फोटोग्राफ्स, एडिटिंग व पेज तैयार करना आदि रहा है। हमारे कम अनुभव या समयाभाव के कारण पुस्तिका में कुछ कमियां या त्रुटियां अवश्य हो सकती है जिनके लिए हमे आप सभी से मार्गदर्शन की अपेक्षा रहेगी। अंत मे पत्रिका के सफलतापूर्वक विमोचन होने पर मैं सभी सह संपादकों, सहयोगियों, लेखकों व पाठकों के साथ ही सभी प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों सहित माननीय जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और साथ ही आशा करता हूँ कि पत्रिका आप सभी को अवश्य पसंद आएगी जिसे पढ़कर आप सभी नवीन शैक्षिक-सत्र 2020-21 में पुनः नए जोश व जुनून के साथ बच्चों का भविष्य संवारने में जुट जाएंगे।

सादर धन्यवाद सहित..

विकास मलिक

सहायक अध्यापक

पूर्व माध्यमिक विद्यालय, इदरीशपुर

विकास क्षेत्र-बिनोली

जनपद-बागपत,उत्तर प्रदेश

☎ +91-9410814000

vikasmalik1999@gmail.com

अनुक्रमणिका

01. विकास मलिक उ०प्रा०वि०इदरीशपुर बिनौली,बागपत

02. शानू निगम उ०प्रा०वि०सिंगोलीतगा खेकड़ा बागपत

03. रेनू पँवार प्रा०वि०बिनौली न.1 बिनौली, बागपत

04. शालू सिंह उ०प्रा०वि० बरनावा बिनौली, बागपत

05. दिनेश वर्मा प्रा०वि० पावला न 2 बागपत, बागपत

06. रीना रानी प्रा०वि०सरुरपुर न 2 बागपत, बागपत

07. विनिता तोमर प्रा०वि०छपरौली न 3 छपरौली, बागपत

08. बबीता खोखर उ०प्रा०वि० हलालपुर, छपरौली,बागपत

09. कविता सिंह प्रा०वि०बिनौली न.1 बिनौली, बागपत

10. पुनीत जैन उ०प्रा०वि०मूलसम 2 बिनौली, बागपत

11. मनोज नैन प्रा०वि०गौरीपुर जवाहरनगर 2 बागपत, बागपत

12. श्यामबाला उ०प्रा०वि०बिनौली, बिनौली, बागपत

13. श्वेता चौहान प्रा०वि०मुबरिकपुर न 2 खेकड़ा बागपत

14. आलोक गौड़ प्रा०वि०कहरका पिलाना, बागपत

15. संदीप मलिक उ०प्रा०वि० हलालपुर, छपरौली,बागपत

16. आयुषी प्रा०वि० पावला न 2 बागपत, बागपत

17. शकीला मलिक उ०प्रा०वि० बरनावा बिनौली, बागपत

18. विचित्रा वीर प्रा०वि०कहरका पिलाना, बागपत

19. नीलम देवी प्रा०वि०निवाड़ा बागपत, बागपत

20. मोना सिंह उ०प्रा०वि०सिंगोलीतगा खेकड़ा बागपत

21. राधा रानी प्रा०वि०गौरीपुर जवाहरनगर 2 बागपत, बागपत

22. मनोज त्यागी प्रा०वि०कहरका पिलाना, बागपत

23. निशा सहरावत प्रा०वि०छपरौली न 3 छपरौली, बागपत

24. अजय शर्मा प्रा०वि०फजलपुर बिनौली, बागपत

25. प्रतिभा प्रा०वि०छपरौली न 2 छपरौली, बागपत

26. रजनी देवी प्रा०वि०शाहजहाँपुर बिनौली, बागपत

विकास
PhotoGrid

:: विकास मलिक ::

"कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं,जीता वही जो डरा नहीं।"

इस कथन को चरितार्थ करते हुए पूर्व माध्यमिक विद्यालय ,इदरीशपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक विकास मलिक ने वह कर दिखाया जो असंभव प्रतीत होता था। जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर एवं मुख्य सड़क मार्ग से दूर काफी अंदर बसें एक ऐसे गांव में जहां कोई शिक्षक जाना पसंद नहीं करता था, विकास मलिक ने वहां के विद्यालय को वर्ष 2012 में अपनी कर्मस्थली के रूप में चुना।चारदीवारी रहित झाड़-झंकार और धूल से भरे एकमात्र गूलर के पेड़ वाले विद्यालय प्रांगण को 5 साल की कड़ी मेहनत व साथियों के सहयोग से सैकड़ों छाया व फलदार पेड़ों,हजारों फूलदार पौधों और हरे-भरे पांच लोन से सुसज्जित करके जनपद के सबसे अच्छे विद्यालयों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया। वर्तमान में विद्यालय में शानदार व आधुनिक कक्षा कक्षों के साथ प्रोजेक्टर,कंप्यूटर,लैपटॉप,इंटरनेट, इन्वर्टर,लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला आदि सुविधाओं सहित स्मार्ट क्लास संचालित है।इनके इस कार्य के लिए उन्हें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डायट प्राचार्य, जिलाधिकारी, माननीय विधायक,माननीय सांसद सहित बेसिक शिक्षा निदेशक महोदय द्वारा कई बार सम्मानित किया गया है।

पीडीएफ फाइल से ऑनलाइन पढ़ेंगे बच्चे

बागपत। कोरोना वायरस के चलते स्कूलों में बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है तो वहीं पढ़ाई को सुगम बनाने के लिए एक शिक्षक ने 30 पीडीएफ फाइल की। जिसका विमोचन शुक्रवार को बीएसए ने राजीव रंजन कुमार मिश्र ने किया। जिससे बच्चों को पढ़ाई के लिए किताबों की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

• नवाचार •

जैसे ही विद्यालय कोरोना संकट के कारण बंद हुए तो इन्होंने सूचना एवं प्रौद्योगिकी का जानकर होने के नाते अपने विद्यालय के बच्चों की ऑनलाइन कक्षाएं तो शुरू की ही साथ ही उनके मन में आया कि इस समय का सदुपयोग अपने विद्यालय की लाइब्रेरी के लिए कुछ ऐसी सामग्री तैयार करने में किया जाए जो बच्चों को विद्यालय की पुस्तकों की शिक्षा तो दे ही साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उनके लिए सहयोगी साबित हो। तब इन्होंने विभिन्न माध्यमों से सामग्री संकलित करते हुए कक्षा 01 से 08 तक के बच्चों के लिए विभिन्न टॉपिक पर 1000 से ज्यादा पेज की 35 पीडीएफ तैयार कर ली। जिनको इन्होंने अपने विद्यालय के बच्चों को तो ऑनलाइन उपलब्ध कराया ही साथ ही अन्य विद्यालय के अध्यापकों को भी व्हाटसअप व टेलीग्राम के माध्यम उपलब्ध करा दिया।

इसके अलावा इनके अपने विद्यालय के जो बच्चे प्रतिदिन अपना ऑनलाइन कार्य पूरा करते थे उनको ऑनलाइन प्रशंसा पत्र प्रदान किए साथ ही प्रश्नोत्तरी के गूगल फार्म तैयार करके उनके माध्यम से बच्चों की विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की। जिनके विजेता बच्चों को भी ऑनलाइन प्रशंसा पत्रों से सम्मानित किया।

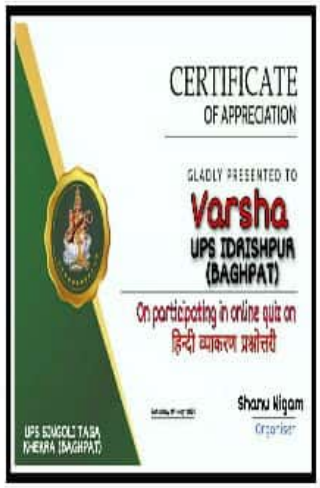

पीडीएफ से ऑनलाइन पढ़ेंगे बागपत के बच्चे

◆ लर्निंग आउटकम ◆

ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं प्रशंसा पत्र का लाभ यह हुआ कि बच्चे प्रतिदिन होने वाले ऑनलाइन कार्य को उत्साहित होकर पूरा करने लगे साथ ही उन्होंने प्रश्नों के उत्तर के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न साधनों का प्रयोग स्वयं प्रारंभ कर दिया पीडीएफ फाइल में दी गई शार्ट ट्रिक्स एवं सामान्य ज्ञान के प्रश्नों से उनमें और अधिक सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई जो शार्ट ट्रिक्स से और भी आसान हो गयी।

सरकारी के सामने निजी स्कूल भी फेल

बड़ौत | हमारे संवाददाता

बागपत जनपद का एक विद्यालय ऐसा भी है जहां पर शिक्षक के खुद के प्रयास से विद्यालय की कायापलट हो गई है। यहां पर किए जा रहे प्रयासों के चलते यह सरकारी विद्यालय किसी निजी स्कूल से कम दिखाई नहीं देता।

चौगामा क्षेत्र के इदरीशपुर गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक विकास मलिक ने जिस तरीके से विद्यालय को संवारा है, उसके लिए उन्हें कई बार विभिन्न प्लेटफार्म पर पुरस्कृत भी किया जा चुका है।

प्रधानाध्यापक विकास मलिक का कहना है कि जब उन्होंने यहां पर ज्वाइन किया था यहां पर मात्र आठ ही बच्चे थे और अब इनकी संख्या 63 है। यहां के बच्चे पिछले चार सालों से स्टेट लेवल पर आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं।

2004 में विद्यालय को दक्षता पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी वर्ष बागपत रत्न के लिए शिक्षा विभाग के लिए नामांकित किया गया। 2016 में गिरवर सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया। विद्यालय में कंप्यूटर, लैपटॉप व मोबाइल के माध्यम से बच्चों को रोचक एवं आधुनिक शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

विद्यालय को मॉडल विद्यालय का खिताब भी दिया गया है। विद्यालय परिसर में 126 बड़े वृक्ष विभिन्न प्रजाति के लगे हुए हैं जिनका संरक्षण खुद यहां के बच्चे करते हैं।

प्रधानाचार्यों ने खुद यहां पर एक अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जिसमें पुस्तकालय व कंप्यूटर कक्षाएं संचालित होती हैं। यहां के बच्चे जमीन पर नहीं बल्कि बैंच पर बैठते हैं।

★ शिक्षक का परिचय ★

विकास मलिक
(प्रभारी प्रधानाध्यापक)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय,इदरीशपुर
विकास क्षेत्र -बिनौली (बागपत) उ0प्र0
व्हाटसअप नम्बर-9410814000
ई मेलvikasmalik1999@gmail.com

विद्यालय का यू ट्यूब चैनल जिस पर आप विद्यालय की विभिन्न गतिविधियां देख सकते है--

https://www.youtube.com/channel/UCX5Vdovv3dK5mEidjtnzC0w

:: शानू निगम ::

एक " इच्छा " से कुछ नही बदलता,एक " निर्णय " से थोड़ा कुछ बदलता है
लेकिन एक " निश्चय " सब कुछ बदल देता है...!

इन ज्वलन्त पंक्तियों की सत्यता को इंगित करती हुई बागपत जनपद की अध्यापिका शानू निगम ने लॉकडाउन की इस संकट स्थिति में बच्चों के लिए ऑनलाइन कक्षा को व्हाट्सएप्प के जरिये चालू किया। किसी ने सच ही कहा है-

"आप प्रयास करके एक
हाथ बढ़ाओगे, कई हाथ
मदद को आगे आ जाते हैं।"

यही सब अध्यापिका के साथ हुआ। जब ग्राम प्रधान, एस. एम.सी. के सदस्यों ने उनकी इस पहल में बहुत साथ दिया, साथ ही साथ गाँव के प्रत्येक अभिभावकों को भी जागरूक करने में सहयोग दिया। अध्यापिका शानू जी लगातार बच्चों के अभिभावकों के सम्पर्क में रहती हैं । अध्यापिका को सभी का मार्गदर्शन लगातार मिल रहा है। अपने फीडबैक के द्वारा वो अध्यापिका शानू निगम को प्रोत्साहित करते रहते हैं।

innovative & creative teachers 03 BAGHPAT

• अध्यापिका द्वारा किया गया प्रथम प्रयास •

बागपत जनपद की इन अध्यापिका ने सर्वप्रथम कोरोना से सुरक्षित करने के लिए खुद एक एनीमेशन वीडियो बनाकर जनपद में और बच्चों को उनके व्हाट्सएप्प ग्रुप पर डालकर बीमारी के प्रति सचेत किया जिसको जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बागपत और खण्ड शिक्षा अधिकारी ,खेकड़ा द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

• दूसरा प्रयास •

अध्यापिका शानू ने अपने विषय से सम्बंधित पाठों की एनीमेशन और विषयगत वीडियो बनाई और ग्रुप में बच्चों को शेयर किया। साथ ही साथ शाम को बच्चों से सम्पर्क करके विषय वस्तु की जानकारी भी लेती रही और बच्चों से सुनती भी रही।

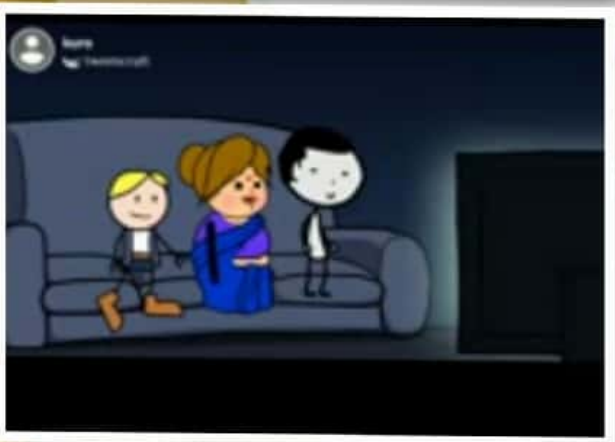

• तीसरा प्रयास •

अध्यापिका शानू निगम ने बच्चों के ज्ञान परीक्षण के लिए स्वयं गूगल फॉर्म पर प्रश्नोत्तरी का निर्माण किया, जिसका उनके विद्यालय के अलावा उत्तर प्रदेश के अध्यापकों ने

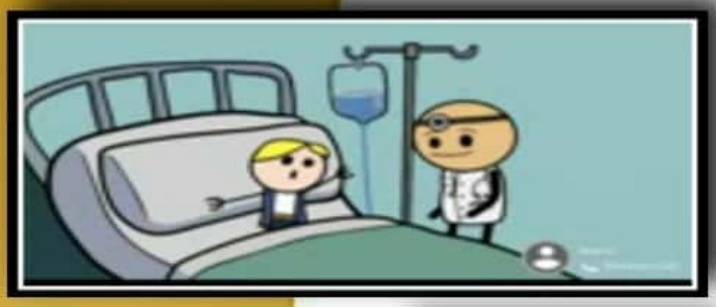

भी लाभ उठाया और अपने विद्यालयों के बच्चों के मध्य साझा किया। साथ ही साथ सफल होने वाले विद्यार्थियों को स्वयं ऑनलाइन प्रमाण- पत्र बनाकर भी दिया। बच्चों को ऑनलाइन होने वाली प्रतियोगिताओं में लगातार सम्मिलित करवाकर उनका मनोबल बढ़ा रही हैं।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

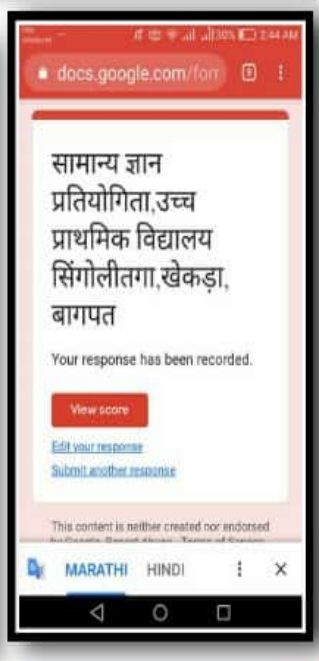

अध्यापिका द्वारा किये गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिला। बच्चे वीडियो को देखकर तो विषय - वस्तु समझते ही हैं साथ ही साथ उस टॉपिक से सम्बन्धित खुद भी यूट्यूब और गूगल पर सर्च करते हैं। गूगल फॉर्म पर प्रश्न प्रतियोगिता का आनंद तो उठा रहे हैं साथ ही भविष्य में होने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता के लिए तैयार हो चुके हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर जो प्रमाण - पत्र मिल रहे हैं ,उनसे उनका आत्मविश्वास बढ़ गया है। अभी हाल ही में इनके विद्यालय की छात्रा अनुष्का त्यागी ने अध्यापिका के नेतृत्व में छ: जनपदों के मध्य हुई निबन्ध प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम स्थान पाकर जनपद और विद्यालय का नाम रोशन किया। समस्त बेसिक शिक्षा विभाग इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

innovative & creative teachers
04
BAGHPAT

★ शिक्षिका का परिचय ★

शानू निगम
(सहायक अध्यापिका)
उच्च प्राथमिक विद्यालय,सिंगोली तगा
विकास क्षेत्र- खेकड़ा (बागपत) उ0प्र0

■ अध्यापिका द्वारा बनाये गए वीडियो लिंक ■

https://youtu.be/4KupT3zlxa4
https://youtu.be/EaugTj5Dgwk
https://youtu.be/A4h6vFDqcTc
https://youtu.be/Zxb5Rrmfe4U
https://youtu.be/MxfmFRxVQgQ
https://youtu.be/VmVxlSShMes
https://youtu.be/Mlhcy89nBCs

:: रेनू पंवार ::

🌸🌸"मंजिल चाहे कितनी भी ऊँची क्यों न हो, रास्ते हमेशा पैरों के नीचे ही होते हैं।" 🌸🌸

इन सकारात्मक पंक्तियों की तरह ही शिक्षिका रेनू पँवार की सोच भी सरल और सुलभ है।मात्र चार सालों में ही रेनू जी ने बेसिक शिक्षा विभाग में अपने शैक्षिक नवाचारों और पढ़ाई के बल पर अपने पैरों को मजबूत कर लिया है।अंग्रेज़ी विद्यालय की यह अध्यापिका अपने विद्यालय के साथ ही साथ सभी बच्चों व शिक्षकों की प्रिय हैं।आज इनकी मेहनत और लगन का परिणाम है कि विद्यालय दिन दूनी रात चौगुनी की तरफ बढ़ रहा है। कुछ कर जाने का जज्बा लिए इस अध्यापिका ने लॉकडाउन की इस कठिन घड़ी में घर से बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। रोज विभिन्न नवाचारों के द्वारा बच्चों को मनोरंजनात्मक और फलदायक शिक्षा का ज्ञान बाँट रहीं हैं।

अध्यापिका की कार्यकुशलता की बात करें तो अभी हाल ही में मिशन शिक्षण संवाद (उत्तर प्रदेश) की तरफ से आयोजित होने वाली मातृ दिवस प्रतियोगिता का आयोजन छः जनपदों के बीच हुआ जिसका संचालन बागपत की ओर से रेनू जी ने अपने शिक्षक साथी श्री अनुज नेहरा जी के साथ मिलकर संचालित किया और बागपत का प्रदर्शन इस प्रतियोगिता में बहुत सराहनीय रहा।

• नवाचार •

अध्यापिका द्वारा बच्चों को अंग्रेजी और हमारा परिवेश विषयों के ज्ञान को अधिक सरल और समझाने के उद्देश्य से खुद के प्रयास से ही रोचक और सुंदर चित्रात्मक कहानी शिक्षण सामग्री के रूप में निर्मित की गई ।जिसमें प्रौद्योगिकी और संचार📡 माध्यम (ICT) का प्रयोग करते हुए विषय वस्तु के सुंदर और रंगीन चित्रों में स्वयं की आवाज देकर सजीवता के साथ प्रस्तुत किया गया।

• प्रयोग -01 •

👩‍🏫शिक्षिका ने ऑनलाइन शिक्षण🖥️ के लिए हमारा परिवेश🌳🌱 व अंग्रेजी विषयों को रुचिकर बनाने के लिए कई आकर्षक TLM📂 तैयार किए व चित्रात्मक शिक्षण सामग्री के चित्रों को अपनी आवाज देकर सजीवता के साथ विषय को रुचिकर बनाकर बच्चों को समझाने का प्रयास किया। शिक्षिका ने पौधों 🌴के मुख्य भाग, भोजन 🥒🍎से मिलने वाले विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व,भारत के प्रमुख वन्य जीव🐆🦒 अभ्यारण्य एवं उद्यान, सजीव🌳🦚 व निर्जीव 📘🗝️वस्तुएं, मौसम 🌤️🌨️व फसलों🌾🎋 के प्रकार, प्रकाश संश्लेषण, बीजों का🌱 अंकुरण, पर्यावरण संरक्षण🌲जैसे आदि विषयो के सुन्दर TLM📒 बनाए और समय-समय पर वीडियो कॉल📲 के द्वारा बच्चों की मौखिक परीक्षा भी ली गई। इस प्रयोग से बच्चों की बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

• प्रयोग -02•

ऑनलाइन शिक्षण बच्चों को नीरस न लगे इसके लिए 👩‍🏫शिक्षिका प्रतिदिन के गृहकार्य में बच्चों के दैनिक जीवन से जुड़े एक या दो प्रश्न अनिवार्य रूप से देती हैं जैसे-

- बच्चों आज आप ने अपनी माता की किस कार्य में मदद की?
- बच्चों अपने आस पास के कुछ पौधों🌳🌴 के नाम लिखिए।
- बच्चों आप को खाने🍲 में क्या पसंद है और इसको बनाने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है ?

इस तरह के प्रश्न बच्चों को उनके दैनिक जीवन से जोडतें हैं जिनका उत्तर बच्चे बड़े उत्साह के साथ लिखते है।

• प्रयोग-03 •

👩‍🏫शिक्षिका ने बच्चों से घर पर ही हमारा परिवेश के अन्तर्गत पौधों🌲🍀 से सम्बंधित एक प्रयोग कराया जो निम्नवत है-

बच्चों से कहा गया कि आप के घर में जो पौधा हैं उसकी कुछ पत्तियों🍀 में एक पारदर्शी पॉलिथीन बांध दीजिए ओर दो या तीन घण्टे बाद क्या परिवर्तन हुआ वह बताना है व उसका फोटो लेकर🤳भी भेजना है। इसके बाद बच्चों ने बताया कि पॉलिथीन में कुछ पानी की बूंदें 💧💦आ गई है।

इस प्रयोग के बाद 👩‍🏫शिक्षिका ने बच्चों को समझाया कि इस प्रक्रिया को वाष्पोत्सर्जन☁️ कहते हैं जिसका अर्थ है पौधे का अनावश्यक पानी 💦पौधे की पत्तियों🍀 द्वारा बाहर निकल जाना व यह प्रक्रिया पत्तियों🍃की निचली सतह पर स्थित स्टोमेटा के कारण होती है। इस प्रकार इस प्रयोग से बच्चों ने खुद कर के सीखा।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

शिक्षिका द्वारा किए गए प्रयोगों से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण👨‍🔬 व कर के सीखना जैसे कौशल का विकास हुआ।बच्चों में अवलोकन करने व सुनने, समझने की दक्षता का विकास हुआ।समस्याओं को स्वयं हल करने की वैचारिक समझ बढ़ी व विज्ञान की कई कठिन प्रक्रियाएं सरल ढंग से सीखी।

★ शिक्षिका का परिचय ★

रेनू पँवार
(सहायक अध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय,बिनौली न.01
विकास क्षेत्र- बिनौली (बागपत) उ0प्र0

अध्यापिका के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक यहाँ पर हैं। इन लिंक को खोलकर आप वीडियो देख सकते हैं।

https://youtu.be/lg0UyA7J1Go
https://youtu.be/TwCtN0aofGE
https://youtu.be/f_mgU9oSvPw
https://youtu.be/jNAVBBYs2t4
https://youtu.be/psUluHM3ERU
https://youtu.be/XZZDP4IWfMg
https://youtu.be/hgT_Mbbv_Us

:: शालू सिंह ::

"मंजिले उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है।
पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।।"

उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनावा की सहायक अध्यापिका श्रीमति शालू सिंह जी के द्वारा, अपने विद्यालय में लॉक-डाउन पीरियड के दौरान विभिन्न परिस्थितियों का सामना कर दृढ़ता पूर्वक घर बैठे विद्यालय के बच्चों को बहुत रोचक और खेल खेल में रुचि पूर्ण तरीके से गणित जैसे जटिल विषय का अभ्यास कराया गया। शिक्षिका द्वारा बेकार पड़ी वस्तुओं से विभिन्न प्रकार के टीएलएम तैयार कर वीडियो के माध्यम से ग्रुप पर भेजा गया जिससे बच्चों ने देख कर बहुत आसानी से उस विषय को समझने का प्रयास किया ।

Innovative & creative teachers 07 BAGHPAT

● नवाचार ●

टीएलएम के माध्यम से पाठ की एक वीडियो बनाकर बच्चों को न केवल अभ्यास का ज्ञान कराया गया तथा साथ ही साथ बच्चों को टीएलएम बनाना भी सिखाया गया ।

दूसरे टीएलएम से शिक्षिका ने प्रथम पाठ प्राकृतिक संख्या में स्थानीय मान के साथ-साथ इकाई, दहाई, सैकड़ा ,हजार का भी ज्ञान कराया।जिससे बच्चों ने खुद संख्या निर्माण करना भी सीखा ।इस तरह की गतिविधि के लिए शिक्षिका ने बेकार पड़ी वस्तुओं से कुछ पुराने गत्ते के डब्बे, चार्ट ,कलर,पुरानी बोतल के ढक्कन तथा रंगीन कार्ड से गणित का टीएलएम तैयार किया ।इस टीएलएम के द्वारा कक्षा -६ के छात्रों को गणित के प्रथम पाठ प्राकृतिक संख्याओं का ज्ञान कराते हुए स्थानीय मान निकालना बताया गया।

शिक्षिका ने इसि पाठ के दो टीएलएम तैयार किये ।

शिक्षिका ने टीएलएम के साथ-साथ एक पपेट भी बच्चों को बनाना सिखाया इस पपेट को बनाने के लिए शिक्षिका ने पुरानी मौजे,रुई ,सुई,धागे ,कपड़े का इस्तेमाल कर बढ़िया सुन्दर पपेट तैयार किये। शिक्षिका ,ने पपेट का इस्तेमाल वीडियो को रोचक बनाने के लिए किया बच्चों ने इस तरह से पपेट बनाना भी सीखा और साथ ही साथ पाठ का ज्ञान भी हासिल किया ।

शिक्षिका द्वारा अनेक टीएलएम बनाकर बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई कराई गई जैसे कि नेपियर स्ट्रिप, संख्या रेखा ,वर्ग और घन पेड़ ,त्रिभुज के कोण का योग ,कोरोना के चलते मदर्स डे और ईद का कोलाज आदि ।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

बच्चों द्वारा न केवल गतिविधि को देखा गया ,बल्कि बच्चों ने वहीं टीएलएम घर बैठकर बनाया और खेल - खेल में उन्होंने अनेक टीएलएम द्वारा गणित जैसे विषय का अध्ययन किया ।बच्चों द्वारा अन्य क्राफ्ट वर्क भी किया गया।

★ शिक्षिका का परिचय ★

शालू सिंह
सहायक अध्यापक
उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनावा
विकास क्षेत्र- बिनौली (बागपत)
ईमेल-singhshalu469@gmail.com

■ शिक्षिका के नवाचार के लिंक ■

https://m.facebook.com/groups/1746845985410856?view=permalink&id=2171873249574792
https://youtu.be/I7iP_ktxztY
https://youtu.be/tGjpxwLMlN0
https://youtu.be/NA5QtEH80tA
https://youtu.be/MNiDEyNEbhg

:: दिनेश वर्मा ::

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है।चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती।कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

लॉकडाउन जैसी विषम परिस्थिति में प्राथमिक विद्यालय पॉवला न 2 में सेवारत दिनेश कुमार वर्मा सहायक अध्यापक ने अपने विद्यालय के बच्चों को अपने शिक्षक साथियों के साथ मिलकर ऑनलाइन शिक्षा देना सुनिश्चित किया और बच्चों को शिक्षा देने के लिए कई सार्थक प्रयास किए। दिनेश जी भूतपूर्व वायुसैनिक है। सेना से अनुशासन, कर्मठता, कार्य के प्रति लग्न और निष्ठा इनको सैनिक जीवन मे ही विरासत के रूप में मिली है। आज भी उस अर्जित सम्पदा का ये शिक्षा विभाग में सदुपयोग कर रहे हैं ।

सीखने सीखाने के प्रति आस्था, रुचि इनमें आज भी विधमान है कला,योग आज भी तन्मयता से करते हैं और शिष्यों में प्रसार करते रहते हैं। इन्होने बच्चों को दृश्य एवं श्रव्य वीडियो, बच्चों की सबसे रुचिपूर्ण दृश्य सामग्री कार्टून मूवी के माध्यम से ज्ञानार्जन कराया व बच्चों की पठन सामग्री को रुचिकर और सरल करते हुए बच्चों के ज्ञानार्जन का प्रयास किया। शिक्षक के द्वारा ऑनलाइन शिक्षण में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को जोड़ने का भरपूर प्रयास किया गया जिससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा का लाभ मिल सके।

innovative & creative teachers
09
BAGHPAT

• नवाचार •

• अंग्रेजी विषय हमारी दूसरी भाषा होने के कारण बच्चे इसको कठिन विषय के रूप में ग्रहण करते हैं। लोकडाउन में बच्चों से सीधा संपर्क न होने के कारण और बच्चों के पास पुस्तक न होते हुए भी शिक्षण सामग्री को भी उपलब्ध कराना एक चुनौती थी अतः समस्या समाधान हेतु दृश्य एवम श्रव्य तकनीकी का प्रयोग करते हुए दिनेश जी ने अंग्रेजी विषय को रुचिकर बनाने का प्रयत्न किया।

भाषा के चार कौशल सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशल का विकास बच्चों में हुआ।

• लिखने के कौशल विकास हेतु दूसरा नवाचार TLM तैयार किया जिसमें cursive writing एवं अनुवाद विधि का प्रयोग किया गया। छात्र एवं छात्राएं आसानी से पाठ में दिए गए वाक्यों का अर्थ निकाल समझ पाएंगे।

• दिनेश जी ने एक लघु कार्टून फ़िल्म कोरोना से बचाव एवं रोकथाम व बच्चों को जागरूक करने के बनाई, जो सराहनीय है क्योंकि बच्चे कार्टून फ़िल्म बड़ी रुचि से देखते हैं तथा विद्यालय के द्वारा बनाये गए कक्षाओं के ग्रुप में भेजी

दिनेश जी ने बच्चों को आर्ट के प्रति भी प्रेरित किया। जिससे बच्चों ने सृजन कार्य आर्ट में किये।

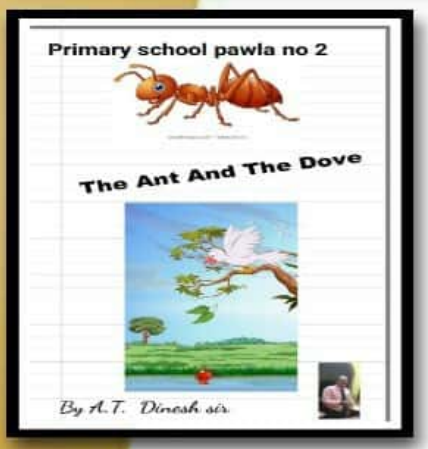

■ लर्निंग आउटकम ■

बच्चों में अंग्रेजी विषय के प्रति रुचि पैदा हुई। भाषा के सभी कौशल का विकास हुआ।

बच्चों को कोरोना महामारी से बचने के लिए जागरूक किया गया तथा समय का सदुपयोग करते हुए बच्चों में कला विषय में सृजन किया। लेखन कौशल में भी सुधार हुआ।

★ शिक्षक का परिचय ★

दिनेश कुमार वर्मा

(सहायक अध्यापक)

प्राथमिक विद्यालय पॉवला न 2

विकास क्षेत्र -बागपत

जनपद -बागपत

♦ विद्यालय का यू ट्यूब चैनल ♦

https://www.youtube.com/channel/UCExo4zJdHCTjlw4RQsWAM0Q

:: रीना रानी ::

मुश्किलें आती जाएंगी, हम पार करते जाएंगे।
तुम समंदर में हमें भेजो ग़ालिब,हम रास्ता वहीं बनाएंगे।

प्राथमिक विद्यालय सरूरपुर कला नंबर -2 की सहायक अध्यापिका श्रीमती रीना रानी जी के द्वारा अपने विद्यालय में लॉकडाउन पीरियड के समय कुछ ऐसे ही इन परिस्थितियों का सामना बड़ी हिम्मत के साथ किया गया और घर बैठे- बैठे विद्यालय के बच्चों को बहुत रोचक व सरल तरीके से ज्ञानार्जन कराया गया।

रीना जी के द्वारा विद्यालय के बच्चों को पाठ को समझाने के लिए चार्ट का प्रयोग करके उसमें विषय से संबंधित कहानी, पर्यायवाची आदि शब्दों का चित्रण कर के बच्चों को वीडियो के माध्यम से ग्रुप पर भेजा गया जिससे बच्चों ने 👀 देखकर बहुत आसानी से उस विषय को समझने की कोशिश की।

• नवाचार •

चार्ट के माध्यम से पाठ को कहानी का रूप देकर वीडियो के द्वारा समझाना।

इस तरह की गतिविधि के लिए शिक्षिका ने एक ब्लैकबोर्ड, कुछ रंगीन कार्ड, कलर तथा चार्ट को लिया।रंगीन कार्ड पर पाठ से संबंधित पात्रों का चित्र बनाया और उसे उसी आकृति में काट लिया तथा ब्लैक बोर्ड पर उस जगह की तस्वीर को उतार लिया। इस तरह से कहानी का वातावरण तैयार कियाऔर फिर चार्ट के माध्यम से शिक्षिका ने उस कहानी को सजीव चित्रण प्रदान किया। शिक्षिका उसे कहानी के तौर पर बच्चों को प्रस्तुत करके दिखाया।

इस तरह पाठ रोचक बन जाता है जिसे बच्चे उत्साह से देखते हैं तथा बच्चों को एक कहानी की तरह पाठ का प्रस्तुतीकरण किया जाता है। जिससे बच्चे जल्दी प्रभावित हुए और उसे अच्छी तरीके से याद कर पाते हैं और समझ पाते हैं।

शिक्षिका रीना जी के द्वारा कक्षा -2 का पाठ नंदू का जुखाम, घुमक्कड़ तारक, पूंछ हिलाने वाला भेड़िया, कक्षा 3 का पाठ, तालाब में चांद, पहेलियां आदि का प्रस्तुतीकरण किया गया है तथा ' हमारा-परिवेश ' में पाठ परिवेश पेड़ पौधे आदि प्रस्तुत किए गए हैं। जिनमें से कुछ आप लिंक के द्वारा देख सकते हैं।

■ लर्निंग आउटकम ■

रीना जी के द्वारा किये नवाचार से बच्चे बहुत प्रभावित हुए । अभिभावकों ने भी इस विधि को रुचिकर बताया। बच्चे देखकर , सुनकर, पाठ को सरल तरीके से समझ पा रहे हैं।

★ शिक्षिका का परिचय ★

रीना रानी
सहायक अध्यापिका
प्रा. वि. सरूरपुर कला नं0-02
विकास क्षेत्र- बागपत
जनपद- बागपत

अध्यापिका के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक यहाँ पर हैं--

https://youtu.be/4v8GxiSEvoU
https://youtu.be/vs-_v7z82Iw
https://youtu.be/5lJfhlzUFnw
https://youtu.be/LCZY8kJAQ_w
https://youtu.be/5L2Cvar8Dac

:: विनीता तोमर ::

🌿🌿 हौसलों के पर होते हैं ,हौसलों में ही जान होती है।
हौसलों के बिना जिंदगी बेरंग और बेजान होती है।🌿🌿

लॉकडाउन के कठिन दौर में ऊपर लिखी हुई पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए (प्राथमिक विद्यालय छपरौली नम्बर -3 बागपत) की सहायक अध्यापिका विनीता तोमर ने यह साबित कर दिया कि मुमकिन कुछ नहीं है।शिक्षिका ने अपनी बुद्धिमता का परिचय देते हुए बच्चों को घर बैठे - बैठे ही प्रकृति- प्रदत व रोजमर्रा की वस्तुओं से बच्चों को रंगों के बारे में जानकारी दी ।

● नवाचार ●

प्राकृतिक वस्तुओं द्वारा रंगों की पहचान

🍁प्रकृति ने हमें बहुत सुन्दर वस्तुयें प्रदान की है ।अपने आस-पास की तरह- तरह की वस्तुओं के द्वारा हम बच्चों को बिना किसी अन्य संसाधन का प्रयोग करे बहुत आनंद के साथ अनेक विषयों की जानकारी प्रदान कर सकते है । 🌼इस नवाचार के द्वारा अध्यापिका विनीता जी ने बच्चों को 🌿प्रकृति के द्वारा विभिन्न रंगों की पहचान व जानकारी कराई। अध्यापिका ने अपने बगीचे मे लगे पेड़-पौधों के द्वारा बच्चों को रंगों की जानकारी दी।🌻 👱अध्यापिका के कथनानुसार अपने बगीचे के द्वारा बच्चों को पेड़ पौधों की हरी पत्ती🌿 दिखाकर गहरा हरा🍀 व हल्के हरे रंग की पहचान कराई। कुछ पत्ती जो भूरे रंग की होती हैं, उनसे भूरे रंग 🍁 की पहचान करा सकते हैं। कुछ सूखी पीली🌾 पत्ती व गेंदे के फूल 💐 के द्वारा पीले रंग की पहचान करा सकते हैं । हमारे पेड़ पौधों पर विभिन्न रंगों के फूल खिलते हैं, जिसके द्वारा हम सफेद व गुलाबी🌼 रंग की पहचान करा सकते हैं। हमारे आस-पास बहुत सुन्दर 🏵लाल रंग के फूल🌹 व वस्तुऐं भी होती हैं।अपनी रसोई के द्वारा भी हम बच्चों को रंगों की जानकारी प्रदान कर सकते है ।

जैसे टमाटर के लाल रंग द्वारा लाल रंग की पहचान। रोटी बनाने वाले तवे के द्वारा काले रंग की पहचान करा सकते हैं ।

दूध के द्वारा सफेद रंग की पहचान करा सकते हैं । नीले रंग के लिए बच्चों को आसमान व पानी से समझा सकते हैं । ▲ नारंगी रंग के लिए बच्चों को ढलता सूरज व संतरे के द्वारा बच्चों को रगों की जानकारी प्रदान कर सकते है। यह सब समझाने के लिए अध्यापिका ने अपने बगीचे मे लगे पेड़ पौधों का प्रयोग करते हुए बच्चों को एक वीडियो बनाकर दिखाई ।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

वीडियो देखने के बाद बच्चों ने अध्यापिका का अनुसरण करते हुए कुछ फोटो खींचे व उनके पास भेजे। बच्चों को इस तरह से सीखना बहुत अच्छा लगा । बच्चों ने स्वयं करके सीखा व अपने ज्ञान को प्रकृति के साथ मिलकर स्थायी किया । इस विधि से वह बच्चों को प्रकृति के विभिन्न प्रकार के रंगों से जोड़ने में सफल रही।

★ शिक्षिका का परिचय ★

विनीता तोमर
(सहायक अध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय, छपरौली-03
विकास क्षेत्र-छपरौली (बागपत) उ0प्र0

■ अध्यापिका द्वारा बनाये गए वीडियो लिंक ■
https://youtu.be/YdckxfnthV4

:: बबीता खोखर ::

रुकावटें दिल के इरादे आज़माती हैं, स्वप्न के पर्दे निगाहों से हटाती हैं।
हौसला मत हार,गिरकर ऐ मुसाफिर, मुश्किलें ही है जो इंसान को चलना सिखाती हैं।

लॉकडाउन के कठिन दौर में ऊपर लिखी हुई पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए (उच्च प्राथमिक विद्यालय हलालपुर, छपरोली- बागपत) की सहायक अध्यापिका बबीता खोखर ने यह साबित कर दिया कि मुमकिन कुछ नहीं है। उन्होंने घर बैठे - बैठे अपने बच्चों अपने हाथों से तैयार की गई शिक्षण सामग्री के माध्यम से विषय वस्तु की इतनी अच्छी जानकारी दी जिससे बच्चों के अभिभावक भी लाभान्वित हुए।

अध्यापिका बबिता ने सौर मंडल और उसके परिवार को कविता और मॉडल के द्वारा बच्चों को सिखाने का प्रयास किया।

• नवाचार •

कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए सौर मण्डल के सभी ग्रहों की जानकारी को काविता के माध्यम से सिखाना।

अध्यापिका ने एक गत्ते पर सौर मण्डल का चित्र बनाकर उन्हें रगों से सजा कर उनके रंग व आकार को एक कविता का रूप दिया जिसे बच्चे अधिक रूचि से सुनकर याद करेगें क्योंकि वें उसे देख भी रहे है और सुन भी रहें हैं।

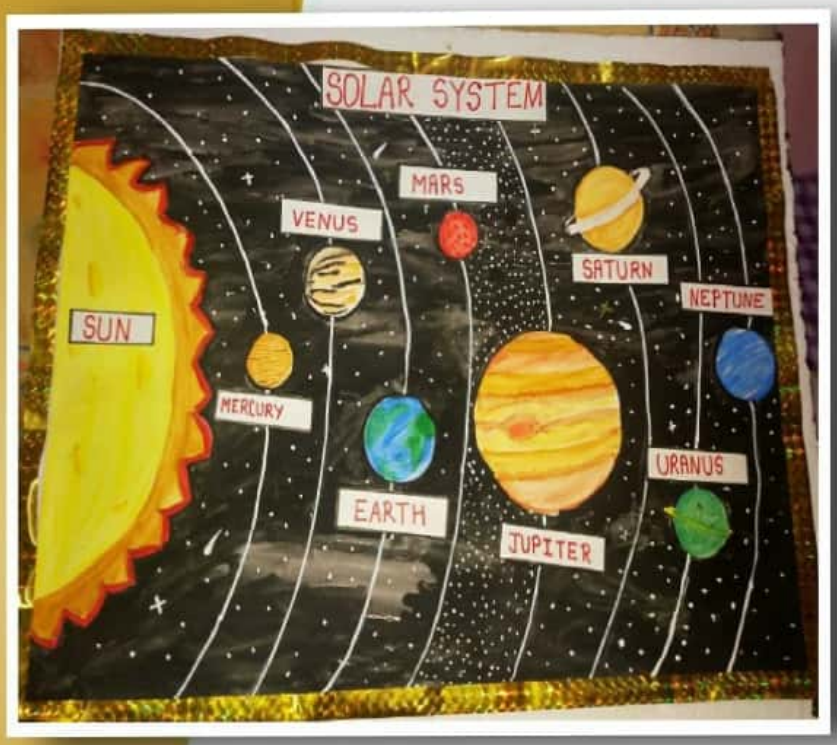

कविता

आओ बच्चों देखों यह
सूर्य परिवार हमारा है।
ऊर्जा का स्रोत लिए सूर्य,
सवकी आँखों का तारा है।
सबसे पास बुध इसके
छोटा व गर्म ग्रह हमारा है।
नम्बर दो पर शुक्र चमकीला ,
जो धरा का प्यारा है।
नीले रंग की धरती
नम्बर तीन पर,घर हमारा है।
नम्बर चार पर मंगल ,
जिस पर ध्यान सारी धरा का है।
पीले रंग का ग्रह बृहस्पति
सबसे बड़ा हमारा है।
चारों ओर वलय लिये शनि
छठें नम्बर पर बैठा है।
सातवें नम्बर पर यूरेनस
तीसरा बड़ा ग्रह हमारा है।
सबसे बैठा दूर नेपच्यून
आठवा ठण्डा ग्रह हमारा है।
इसी प्रकार से बच्चों
सूर्य का परिवार पूरा हुआ सारा है।

लर्निंग आउटकम

बच्चों को पता चला कि जैसे हमारा परिवार होता है,उसमें मम्मी पापा व भाई बहन होते हैं पापा घर के मुखिया होते है और सबमें अलग-अलग गुण होते है,वैसे ही सूर्य का परिवार होता हैं । उसमें 8 ग्रह है सब रूप व आकार में अलग -अलग होते हैं।

शिक्षिका का परिचय

डॉ0 बबीता खोखर
(सहायक अध्यापिका)
उच्च प्राथमिक विद्यालय,हलालपुर ,
विकास क्षेत्र-छपरौली (बागपत)
उ0प्र0

:: कविता सिंह ::

"गौरव लक्ष्य पाने के लिए कोशिश करने में हैं,न कि लक्ष्य तक पहुंचने में।"

लॉकडाउन जैसी विषम परिस्थिति में प्राथमिक विद्यालय बिनौली न । की प्रधानाध्यापिका कविता सिंह ने अपने विद्यालय के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा देने की ठानी और बच्चों को शिक्षा देने के लिए कई सार्थक प्रयास किए।इन्होने बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से ज्ञानार्जन कराया व दृश्य श्रव्य सामग्री का उपयोग करते हुए बच्चों को अक्षरों की पहचान कराई। शिक्षिका के द्वारा ऑनलाइन शिक्षण में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को जोड़ने का भरपूर प्रयास किया गया जिससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा का लाभ मिल सके।

innovative & creative teachers 17 BAGHPAT

• नवाचार •

प्रोजेक्टर व आकर्षक मॉडल के माध्यम से विषय वस्तु को सरल व रोचक बनाकर बच्चों की पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाना।

👩‍🏫शिक्षिका ने हिन्दी विषय को सरल व रोचक बनाने के लिए प्रोजेक्टर को माध्यम बनाकर दो अक्षरों को जोड़ कर शब्द बनाना सिखाया व बारह खड़ी सिखाने के लिए सुन्दर TLM 🗂️बनाया जिससे बच्चों ने तेजी से सीखा। शिक्षिका द्वारा कई अन्य आकर्षक पाठ्य सामग्री व पढ़ाई को रुचिकर बनाने के लिए वीडियो बनाकर पढ़ाई कराई गई जिससे बच्चों में सीखने के कौशल का विकास हुआ और बच्चों में कलात्मकता व रचनात्मकता का बोध हुआ।

👩‍🏫शिक्षिका द्वारा बच्चों को पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान कराने के लिए घर में पड़े शादी के कार्डो से एक किताब तैयार की गई उसमें शादी के कार्डों से अनेक चित्र लेकर उनके अलग-अलग पर्यायवाची शब्दों को लिखा गया क्योंकि बच्चे चित्र को देखकर बहुत ही आसानी से सीख जाते हैं। इस प्रकार चित्रों को देखकर बच्चों ने बहुत ही अच्छे ढंग से उन्हें सीखा और याद भी किया व लड़की, पृथ्वी, फूल, गणेश, पेड़, आम, चन्द्रमा, पर्यायवाची शब्दों को चित्रों के माध्यम से समझा।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

बच्चों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से दो अक्षरों का जोड़ वाले शब्दों को बोलना और उनको लिखना भी सीखा। पर्यायवाची की आकर्षक पुस्तक से प्रभावित होकर बच्चों ने यह पुस्तक घर पर स्वयं भी बनाई, जिससे बच्चों में स्थाई ज्ञान का विकास हुआ।

★ शिक्षिका का परिचय★

कविता सिंह
(प्रधानाध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय बिनौली न.0\
विकास खण्ड - बिनौली

अध्यापिका के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक यहाँ पर हैं। इन लिंक को खोलकर आप वीडियो देख सकते हैं।

https://youtu.be/jM163ALufPM
https://youtu.be/jRLEw_WDYLg
https://youtu.be/1qIKpEoTFWM

:: पुनीत जैन ::

इस दुनिया मे असम्भव कुछ भी नही।हम वो सब कर सकते है,
जो हम सोच सकते हैं।

जहाँ लोक डाउन में सब लोग सहमे बैठे थे ऐसे समय मे विद्यालय में बच्चों को महामारी से बचाने एवं सावधानी बरतने के साथ कुछ नए रोचक आयामो से शिक्षा के प्रसार के लिए अपनी कमर कसी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षण के लिए कई नवाचार किये।

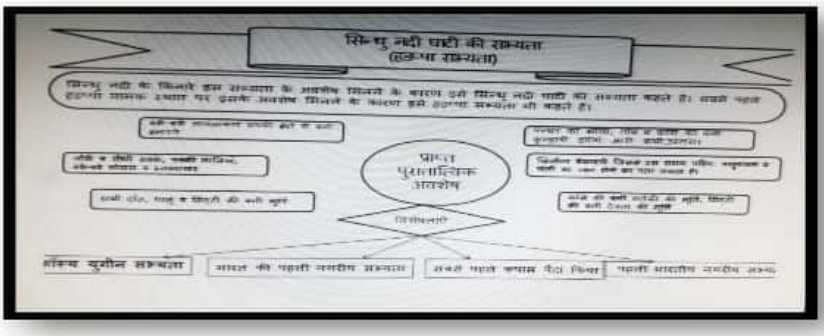

◆ नवाचार ◆

पुनीत जी ने कक्षा ६ से ८ तक के बच्चों के लिए इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र विषयों के पाठ्यक्रम के सभी पाठों से संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्नों का एक संग्रह तैयार किया जो परीक्षाओं से पूर्व छात्रों को याद कराने पर सम्पूर्ण परीक्षा पाठ्यक्रम की तैयारी में बहुत सहायक सिद्ध होगा। बच्चे इनका प्रयोग क्विज़ खेल के लिए कर सकते है। आपस मे एक दूसरे से प्रश्न पूछकर ज्ञानार्जन कर सकते हैं।

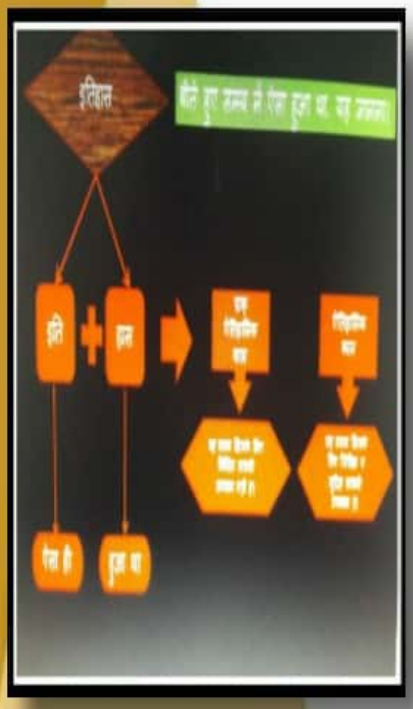

◆ नवाचार ◆

पुनीत जी ने उक्त विषयों के कांसेप्ट मैप की ९९+ भी तैयार की। कांसेप्ट मैप पूरे पाठ के महत्वपूर्ण तथ्यों को एक ही पेज पर एक साथ व्यवस्थित कर देता है जिसे देख, समझकर छात्र पूरे पाठ को आसानी से समझा जा सकता है।

पुनीत जी ने एक बाल अखबार का सम्पादन प्रारंभ किया।इस अखबार के माध्यम से छात्रों विद्यालय के बाहर के वातावरण से जोडा जा सकेगा। मनोरंजन, करेंट अफेयर्स, क्विज, महत्वपूर्ण व्यक्तियों की पहचान तथा विद्यालय के पेज पर अपनी फोटोज देखकर छात्रों में उत्सुकता व पढने की रूचि बढ़ाने का प्रयास किया। बच्चों ने इसमें बड़े मनोरंजन और उत्साह से इसमें प्रतिभाग किया तथा सामान्य ज्ञान को बढ़ाया।

- बच्चों ने खेल खेल में इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र विषय का ज्ञानर्जन किया।
- सामान्य ज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा हुई तथा सृजनात्मकता के साथ उनकी सामान्य जानकारी भी बढ़ी।
- पढ़ाई लिखाई में ICT के प्रयोग तथा उसके application के बारे में जागरुकता बढ़ी।

★ शिक्षक का परिचय ★

पुनीत कुमार जैन
(सहायक अध्यापक)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय,मुलसम
विकास क्षेत्र- बिनौली (बागपत)

:: मनोज नैन ::

⚫🔵 न वक़्त देखतें हैं ,न आराम देखतें हैं।
जो मन में अपने ठान ली,बस वो अंजाम देखते हैं।
शिक्षा को बेहतर बनाना है,बस यही ख़्वाब देखते हैं।⚫🔵

कोरोना जैसी भयंकर महामारी के वक्त जब प्रत्येक व्यक्ति उदास, परेशान और व्यथित है तब ऐसे में अपनी इच्छा दृढ़ इच्छाशक्ति की वजह से अपनी शैक्षिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिक्षकों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में हमारे बेसिक शिक्षा विभाग की होनहार अध्यापिका मनोज नैन जी ने अपने घर से ही व्हाट्सएप के द्वारा बच्चों को शिक्षित करने का संकल्प किया । बच्चों में भी इच्छा शक्ति को मजबूती प्रदान करने के लिए अध्यापिका द्वारा स्वयं ऐसी पाठ्यवस्तु तैयार की गई , जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन लगे और वह लगातार इस ऑनलाइन कक्षा में अपना सहयोग प्रदान करें।

अध्यापिका की जो सबसे काबिले तारीफ बात है , वह खुद पहले प्रत्येक विषय से संबंधित पाठ योजना को बनाती हैं और फिर उसी का अनुसरण करते हुए बच्चों को पाठ पढ़ाती हैं। इस पाठ्यक्रम को सुदृढ़ और आकर्षक बनाने के लिए वह विभिन्न प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्रियों का प्रयोग करती हैं । इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण है कि कलात्मक अध्यापिका के विद्यार्थी भी कलात्मक हैं। मिशन शिक्षण संवाद (उत्तर प्रदेश) की ओर से होने वाली पोस्टर प्रतियोगिता में अध्यापिका के विद्यालय का छात्र वंश चौहान ने छ: जिलों के मध्य हुई प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

● नवाचार ●

♓ कविता- On The Road ♓

इस कविता को रुचिकर और पढ़ाने के लिए अध्यापिका ने एक वीडियो बनाकर के बच्चों के सामने प्रस्तुत किया ।

जिसके लिए उन्होंने ब्लैक बोर्ड पर पहले इसके चित्रों को भी बनाया। साथी साथ एक बहुत सुंदर सा ट्रैफिक सिग्नल 🚦 का मॉडल बनाकर बच्चों को पूरी कविता समझाई।

◆ प्रयोग ◆

इस मॉडल को बनाने के लिए उन्होंने घर पर रखे हुए साड़ी के गत्ते का प्रयोग किया तथा बेकार पड़े थर्माकोल की कटिंग कर के यातायात का 🚦 संकेतक बनाया। उस पर कागज चिपका कर के फिर रंग भर लिया गया तथा जो सी. डी📀⚪ बेकार हो जाती हैं उन पर लाल🔴 पीला🔶 और हरे रंग ⬜ के कागज चिपका कर उन्हें सिगनल्स का रूप दिया।

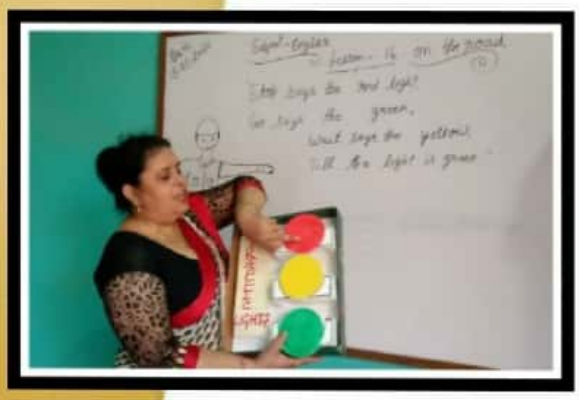

पाठ को पढ़ाने से पूर्व अध्यापिका ने कुछ पहेलियों के द्वारा बच्चों को विषय की ओर लाने का प्रयास किया। जब बच्चे विषय की ओर आ गए ,तब अध्यापिका ने लयबद्ध तरीके से सभी बच्चों को कविता का वाचन कराया।

यातायात नियमों को समझाने हेतु अध्यापिका ने मॉडल का प्रयोग किया ।मॉडल के द्वारा उन्होंने बताया कि लाल, हरी और पीली बत्ती हमें क्या संदेश देती है? इसके द्वारा हमें यातायात के किस नियम का पालन करना चाहिए ।श्यामपट्ट पर यातायात कर्मी का चित्र बनाकर बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि वह अपने हाथों के द्वारा किस तरह से पूरे चौराहे पर यातायात को संचालित करते हैं।

■ लर्निंग आउटकम ■

बच्चों ने ट्रैफिक नियमों को समझकर उसके बारे में अध्यापिका से चर्चा की। कविता याद करके व्हाट्सएप्प के माध्यम से सुनाया। यातायात के नियमों की जानकारी अपने आस-पास के लोगों को भी दी।

★ शिक्षिका का परिचय ★

श्रीमती मनोज नैन
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय,गौरीपुर जवाहरनगर-2
विकास खण्ड- बागपत (बागपत)
उत्तर प्रदेश

◆ अध्यापिका के वीडियो का लिंक ◆
https://youtu.be/On49AQjvHdE

:: श्यामबाला ::

🌸🌸"अँधेरे से मत डरो सितारे अँधेरे में ही चमकते है।"🌸🌸

इन पंक्तियो को चरितार्थ करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय बिनौली की शिक्षिका श्यामबाला जी ने लॉकडाऊन जैसी कठिन परिस्थिति में जब सभी स्कूल बन्द हैं बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा देने का प्रयास किया।इन्होने अनेक विषयों के सरल व सुन्दर TLM बनाकर बच्चों को कई विषयों का ज्ञान कराया।इनके मार्गदर्शन में उच्च प्राथमिक विद्यालय बिनौली के कई छात्रों नें विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया और सफल भी हुए

• नवाचार •

विषय वस्तु को सरल बनाने के लिए रुचिकर शिक्षण सामग्री व बच्चों का सामान्य ज्ञान बढाने के लिए ऑनलाइन क्विज का निर्माण करना।

🖥️ऑनलाइन शिक्षण के लिए 👩‍🏫शिक्षिका ने अनेक सरल व रुचिकर TLM बनायें जिससे छात्रों ने विषय वस्तु को बहुत रुचि के साथ सीखा व समझा।शिक्षिका के द्वारा बच्चों को TLM चार्ट पेपर पर बने चित्रों से बच्चों को प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया समझाई गई , बताया गया कि पेड़🌲 पौधें🌴 सूर्य🌞 के प्रकाश, क्लोरोफिल, कार्बन डाई ऑक्साइड, व जल💦 की मदद से भोजन का निर्माण स्वयं करते हैं और ऑक्सीजन गैस का निर्माण करते हैं, जो मनुष्य के जीवन के लिए आवश्यक है और इसके बिना जीवन संभव नहीं है।

👩‍🏫शिक्षिका द्वारा बच्चों के बीच प्रत्येक शनिवार कला प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाता है जिससे बच्चों में कलात्मकता का विकास हो रहा है।

👩‍🏫शिक्षिका द्वारा बच्चों को अनेक विषयों की पी डी एफ बनाकर पढाया गया। शिक्षिका ने कई 🖥️ऑनलाइन क्विज भी करायी जिनसे बच्चे लाभान्वित हुए। शिक्षिका समय समय पर बच्चों से वीडियो कॉल के द्वारा भी मौखिक परीक्षा लेती है जिसमे बच्चे बड़े उत्साह के साथ उत्तर देते हैं।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

शिक्षिका के द्वारा बनाई गई सामान्य ज्ञान क्विज में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया जिससे बच्चों में सीखने समझनें की क्षमता का विकास हुआ व उनका ज्ञानात्मक पक्ष मजबूत हुआ। बच्चों के अभिभावकों ने भी सहयोग किया। शिक्षिका के प्रयासों से बच्चों में सर्जनात्मकता का विकास हुआ।

★ शिक्षिका का परिचय ★

श्यामबाला
सहायक अध्यापिका
उच्च प्राथमिक विद्यालय, बिनौली
ब्लाक- बिनौली
जनपद- बागपत

अध्यापिका के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक यहाँ पर हैं। इन लिंक को खोलकर आप वीडियो देख सकते हैं।

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=663341024399323&id=100021702932894
https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=660933297973429&id=100021702932894

:: श्वेता चौहान ::

❁ तुम्हारे रुकने से रुकना नहीं यह अपने आपसे एक वादा है,
शिक्षा को आगे लेकर जाना है बनाया मैंने यह मजबूत इरादा है।❁

मन में इतने जोश भरे विचारों को लेकरके लोगों की परवाह किए बिना लॉकडाउन की इस विषम परिस्थिति के समय अपने कार्यों द्वारा विद्यालय के बच्चों के लिए लगातार एक एक सफल शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन कर रही इस अध्यापिका का नाम श्रीमती श्वेता चौहान है । श्वेता चौहान ने बच्चों को सिखाने के लिए एनिमेशन फ़िल्म और कुछ प्रत्यक्ष प्रयोग करके बच्चों के सामने एक वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया।

● नवाचार ●

अध्यापिका ने एक पौधे 🌿 को T. L. M. के रूप में प्रयोग करके सभी कक्षाओं के बच्चों को पौधे के कितने भाग होते हैं ? (एक -एक भाग दिखा कर) बताया।पौधे के भागों को दिखा कर प्रत्येक भाग के कार्य के बारे में बताया व प्रकाश संश्लेषण क्रिया के बारे में भी बताया कि पौधे किस प्रकार जल 💧खनिज लवण, कार्बन डाई ऑक्ससाइड, सूर्य की रोशनी 🌞व क्लोरोफिल के साथ क्रिया करके ग्लूकोज़ व ऑक्सीजन बनाते हैं।

वही ऑक्सीजन हम 🗣️ सांस द्वारा लेते हैं व कार्बन डाई ऑक्साइड निकालते हैं।

अध्यापिका ने एक प्रयोग करके बच्चों को बताया की किस प्रकार पौधे (💧) वाष्पीकरण करते हैं।

प्रयोग-01 :-

हम पौधे की एक पत्ती 🍀🍀 को किसी पारदर्शी पॉली से बांध देते हैं। फिर दूसरे दिन उस पॉलीथिन को खोल कर देखते हैं तो पॉलीथिन पर पानी की बूँदे 💧💧होती है, जो कि उस पानी की होती हैं जिसे पौधे ने वाष्प बनाया और वो वाष्प वातावरण में नहीं मिल पाती है वो पॉलीथिन पर इकट्ठी हो जाती हैं।

प्रयोग -02 :-

एक और प्रयोग के द्वारा अध्यापिका ने बच्चों को बताया की हम किस प्रकार पता कर सकते हैं की पौधे की पत्ती ने स्टार्च बनाया है की नहीं। 🌿🌿 पौधे की एक पत्ती🌿🌿 को कुछ इस प्रकार किसी ऐसी चीज या काले कागज़ से ढक देते हैं। फिर अगले दिन उस पत्ती को खोलेंगे तो उसका रंग बदल जायेगा ।

अब उस पर आयोडीन टेस्ट करेंगे तो जिस पत्ती में स्टार्च होगा वो बैंगनी रंग की हो जाएगी और स्टार्च नहीं होगा तो रंग बैंगनी नहीं होगा।

पत्ती को पॉली में बांधते हुए

♦ लर्निंग आउटकम ♦

👦👧 बच्चों ने ज़ब वीडियो💻 देखी तो उनको बहुत रुचिकर लगा व प्रयोग करने में उन्होंने बहुत उत्साह दिखाया। पौधे को अपने सामने से देख कर उसके सभी भाग व उनके कार्य आसानी से याद कर लिए। प्रयोग के माध्यम से उनका ज्ञान स्थायी हो पाया। इसी प्रकार हम बच्चों को करके देखो व सीखने की दक्षता का विकास कर सकते हैं।

★ शिक्षिका का परिचय ★

श्वेता चौहान

(सहायक अध्यापक)

प्राथमिक विद्यालय,मुबारिकपुर न॰-2

विकास क्षेत्र- खेकड़ा (बागपत) उ0प्र0

अध्यापिका की वीडियो के लिंक👇

https://youtu.be/OZRv5mQ7qIM

https://youtu.be/4yoDcLuLxlO

:: आलोक गौड़ ::

"शिक्षा स्वतंत्रता के स्वर्ण द्वार खोलने की कुंजी है।"

उपरोक्त पंक्तियों को सार्थक करते हुए प्राथमिक विद्यालय कहरका के प्रधान अध्यापक आलोक कुमार गौड़ ने लॉकडाऊन का पालन करते हुए बच्चो को घर पर ही शिक्षा देने का प्रयास किया है। विषय वस्तु को सरल बनाने के लिए विविध प्रकार के TLM📊 व चार्ट्स🗂️ तैयार किए हैं व पाठ से सम्बंधित विषयों पर वीडियो बनाए जिससे पढ़ाई के प्रति बच्चो की रुचि भी बढी।

Innovative & creative teachers 27 BAGHPAT

• नवाचार •

विभिन्न प्रकार के चार्ट,मॉडल व वीडियो के माध्यम से विषय वस्तु को सरल व रुचिकर बनाने का प्रयास करना।

ऑनलाइन क्लास💻 में रुचि उत्पन्न करने के लिए सर्वप्रथम वर्ग पहेली और मॉडल बनाकर बच्चों को जोड़ा गया जब बच्चों ने वह कार्य किया और भेजा तब उन्हें विभिन्न गतिविधियों एवं वीडियो से उनके पाठयक्रम से जोड़कर बच्चो की पढ़ाई को रुचिकर बनाने का प्रयास किया।

👩‍🏫 शिक्षक द्वारा इसके लिए कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के लिए विभिन्न TLM तैयार किए

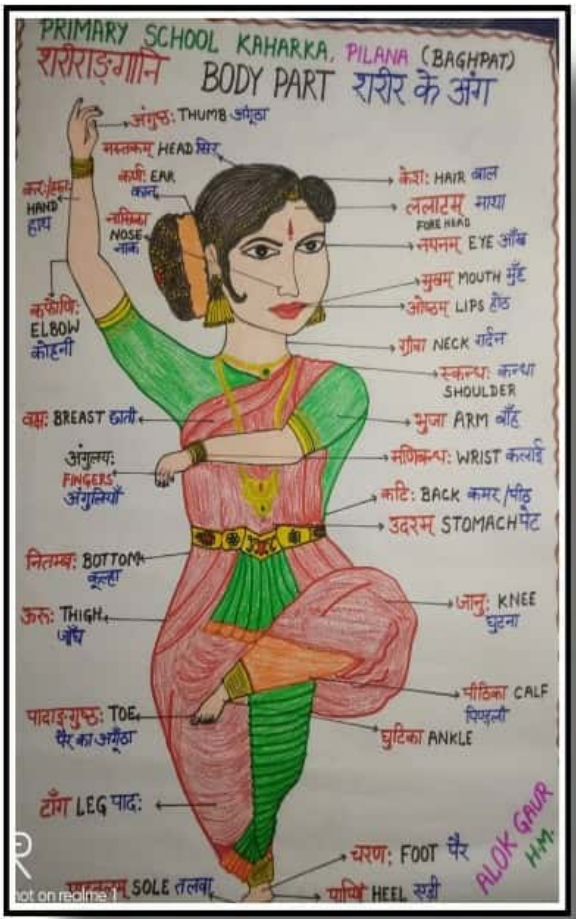

इसके साथ-साथ चार्ट पोस्टर तथा मॉडल भी तैयार किए तथा बच्चों को पढ़ाने के लिए उनके विषय से संबंधित विषयों की वीडियो तैयार की ताकि वे अच्छे से विषय वस्तु को समझ सके।पाठ योजनाएं तैयार की गई जिससे बच्चों को अच्छी तरीके से पाठ को समझाया जा सके।

👨‍🏫शिक्षक आलोक जी के द्वारा अंगों के नाम का आकर्षक चार्ट बनाया गया जिससे बच्चे 3 भाषाओं(हिन्दी अंग्रेजी व संस्कृत) में शरीर के अंगों के नाम से परिचित हुए और उन्होंने यह चित्र बनाने का प्रयास भी किया। इसके अतिरिक्त वर्ग पहेली के माध्यम से बच्चे फल, जीव जंतु, कर्मकार एवम् शरीर के अंगों से परिचित हुए और एक खेल के माध्यम से याद किया।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

आलोक जी के द्वारा किए गए नवाचार से बच्चो में ऑनलाइन शिक्षण के लिए रुचि बढ़ी ओर अभिभावको का भी पूरा सहयोग मिला।बच्चे मॉडल व वीडियो के माध्यम से पाठ को अच्छी तरह समझ रहे है।

Innovative & creative teachers 28 BAGHPAT

★ अध्यापक का परिचय ★

आलोक कुमार गौड़

(प्रधान अध्यापक)

प्राथमिक विद्यालय कहरका

ब्लॉक- पिलाना

जनपद- बागपत

व्हाट्सएप नंबर-9568222556

ईमेल आईडी-alokkatyayan3@gmail.com

अध्यापक के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक---

https://youtu.be/7OqX68Oi3F8

https://youtu.be/CSTU39uBPgk

https://youtu.be/dGwAlMq7IYE

https://youtu.be/br9vEIg9CMc

:: संदीप मलिक ::

" पथ में शूल मिलें चाहे जितने , लेकिन मत घबराना तुम ।
अपने भुजबल से हर संकट में नव पथ सर्जित करना तुम ॥"

संदीप मलिक ब्लॉक छपरौली में ग्रेडिड लर्निंग प्रोग्राम में B.R.P. भी हैं जो बच्चों को उपचारात्मक शिक्षा देकर उन्हें कक्षा के अधिगम स्तर पर लाते हैं ।

इसके अतिरिक्त संदीप मलिक बाल प्रेरक कविताओं का लेखन व वाचन भी करते हैं व गणित विषय के अध्यापन को विभिन्न यूट्यूब व चैनल माध्यमों से संचालित करते हैं तथा मीना मंच , योग व बालिका आत्मरक्षा प्रोग्राम में ब्लॉक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

● नवाचार ●

कोरोना संकट के कारण पूरा विश्व थम सा गया है , इन विषम परिस्थितियों में शिक्षक संदीप मलिक ने घर पर रहकर ही अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है और अध्ययन करना बच्चों को सिखाया ।

इसी संदर्भ में शिक्षक ने बच्चों को शरीर कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु पोषक तत्वों के विषय में अध्ययन कराया ।

■ पोषक तत्व ■

पोषक तत्व वे पदार्थ है जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं । ये उत्तकों का निर्माण एवं उनकी मरम्मत भी करते हैं । इस प्रकार ये शरीर को समृद्ध करते हैं एवं विभिन्न रोगों से हमारी रक्षा भी करते हैं । इनसे प्राप्त ऊर्जा शरीर की समस्त क्रियाओं को चलाने में काम आती है । इस ऊर्जा का उपयोग विभिन्न कार्य मे कैसे किया जाता है,शिक्षक द्वारा समझाया गया ।

■ प्रमुख पोषक तत्व ■

जैविक पोषक तत्वों मे कार्बोहाइड्रेट , वसा , प्रोटीन तथा विटामिन शामिल होते हैं अकार्बनिक योगिकों में खनिज लवण , जल व ऑक्सिजन को भी पोषक तत्व माना जाता है ।

पोषक तत्वों के मुख्य श्रोत

कार्बोहाइड्रेट - चावल , गेहूं , गुड , साबुदाना , शहद ।

वसा - मक्खन , घी , वनस्पति तेल ।

प्रोटीन - चना , मटर , मूंग , सोयाबीन , दूध , राजमा ।

विटामिन - पनीर , हरी सब्जियाँ , नींबू , संतरा , दाल ।

खनिज लवण - पालक , अंकुरित अन्न , हरी सब्जियाँ ,आदि का ज्ञान शिक्षक द्वारा बच्चों को प्राप्त कराया गया ।

■ पोषक तत्वों की उपयोगिता ■

शिक्षक द्वारा बच्चों को बताया गया कि ,कार्बोहाइड्रेट तथा वसा ऊर्जा प्रदान करते हैं । प्रोटीन शरीर की व्रद्धि करते हैं । विटामिन एवं खनिज लवण रोगों से रक्षा करते हैं ।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

पोषक तत्वों के विषय में जानने के पश्चात छात्रों द्वारा उनके खाद्य पदार्थ में सकारात्मक परिवर्तन किया गया। शिक्षक ने पाया कि बच्चों के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हुआ। बाद में शिक्षक व बच्चों ने सामूहिक रूप से पुणे पोषक तत्वों से होने वाले लाभ पर चर्चा की जिससे सभी बच्चे लाभान्वित हुए ।

innovative & creative teachers

30

BAGHPAT

★ शिक्षक का परिचय ★

संदीप मलिक

सहायक अध्यापक

उच्च प्राथमिक विद्यालय, हलालपुर

फोन नंबर -6395127618

ईमेल :malikanurag49@gmail.com

:: आयुषी ::

★अपने कर्त्तव्य पथ पर चलने वाले, तक कर क़भी रुकते नही।
बाधायें कितनी भी आ जाओ मगर, कर्मठ इंसान डरते नही।
धारा प्रवाह प्रतिकूल ही सही, हौंसले बुलंद रहते है इनके,
देश के भविष्य को सुधारने में लगे रहते है ये।★

कु0 आयुषी शर्मा सहायक अध्यापिका प्राथमिक विद्यालय पॉवला में सेवारत है। आयूषी ने कोविड 19 महामारी संक्रमण व लोक डाउन के कारण विषम परिस्थिति हो जाने के बावजूद भी बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ाई कराने का अपना निरन्तर प्रयास जारी रखा।
उनके प्रयासों में लगातार दृश्य श्रव्य विडियो, TLM जिससे बच्चे आसानी से समझ सके।

● नवाचार ●

◆ खाद्य पदार्थों को संरक्षण ◆

उपर्युक्त प्रकरण पर आधरित एक TLM बनाया गया जिसमें खाद्य पदार्थों को संरक्षण करने के तरीकों को विस्तृत तौर पर समझाया गया।
(1) दाले, अनाज,पापड़, चिप्स आदि को धूप में सुखाकर संरक्षित किया जाता है।
(2) दही, दूध,हरी सब्जियों आदि को फ्रिज में रखकर संरक्षित किया जाता है।
(3)पीने के पानी तथा दूध को तेज तापमान पर उबाल कर इन्हें कीटाणु मुक्त किया जाता है।
(4)कुछ रसायनों द्वारा भी खाद्य पदार्थों को संरक्षित किया जाता है।
(5)पाश्चुरीकरण द्वारा दूध में उपस्थित कीटाणु को खत्म किया जाता है।

◆ अंकों पर आधारित TLM ◆

अंकों पर आधारित TLM बनाया गया।जिसमें 8 पट्टियां बनाई गई। जिनमें से प्रत्येक पट्टी पर
0 से 9 तक अंक लिखे गए,
इन पट्टियों को 8 बॉक्स के अंदर डाला गया,इन बॉक्स के ऊपर एक से करोड़ तक (स्थान) लिखे गए।
इन पट्टियों को खिसका करके संख्या बनाना सिखाया गया तथा संख्या को शब्दों में लिखना व पढ़ना सिखाया गया।
संख्या में आए अंको के स्थानीय मान से भी अवगत कराया गया।
1से 8 अंको तक की सबसे बड़ी व सबसे छोटी संख्या बनाना सिखाया गया।

■ लर्निंग आउटकम ■

* खाद्य संरक्षण TLM द्वारा बच्चों ने सीखा *

बच्चों में जिज्ञासा उत्पन्न होती हैं।
- हमारा परिवेश विषय के प्रति रुचि बढ़ती हैं।
- बच्चों में दिन प्रतिदिन की समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा होती हैं।
- खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया को समझ लेते हैं।

* गणित TLM द्वारा बच्चों ने सीखा *

- संख्या को शब्दों में लिखना व पढ़ना।
- दिए गए अंको से संख्या बनाना।
- स्थानीय मान ज्ञात करना सीखा।
- सबसे बड़ी व छोटी संख्या बनाना।

★ शिक्षिका का परिचय ★

आयुषी
(सहायक अध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय, पॉवला न 02
विकास क्षेत्र -बागपत (बागपत) उ0प्र0

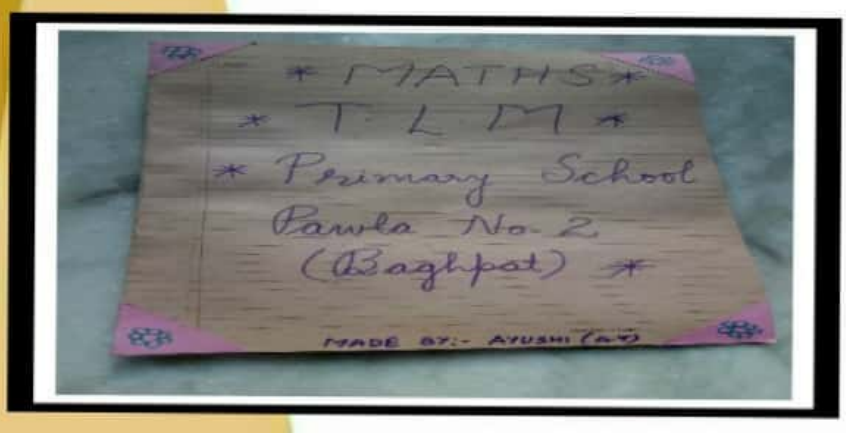

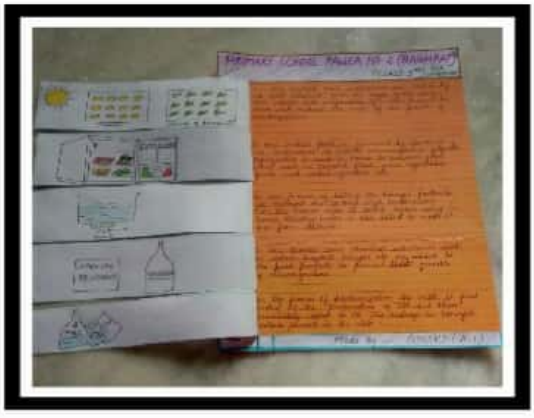

:: शकीला मलिक ::

🇮🇳"विकसित राष्ट्र की यही कल्पना ,शिक्षित पूरे देश को करना
👴गाँधी जी का यही था कहना,अनपढ़ बनकर कभी न रहना।"❌

📚शिक्षा मे सबसे ज़्यादा ताकत 💪💪होती है जिससे पूरी दुनिया 🌎को बदला जा सकता है।बस इसी विचार के साथ ,अपने शिक्षण कार्य पूर्ण निष्ठा से निभा रही 👩‍🏫शिक्षिका शकीला मालिक द्वारा विद्यालय के बच्चों मे,नवाचारी शिक्षण विधियों का प्रभारी प्रयोग करने ,सुन्दर तथा प्रभावी पाठ्य सहगामी क्रियाऐ संचालित कराई जा रही हैं ।

● नवाचार ●

👩‍🏫शिक्षिका शकीला मलिक द्वारा शॉर्ट ट्रिक 👈से छात्रों👧🧒 को प्रधानमंत्रियों के नाम सिखाए गए ।छात्रों को प्रधानमंत्रियों के नाम सिखाते समय बहुत सी परेशानियां 😣आती हैं ,जैसे कि बहुत सारे प्रधानमंत्रियों के नाम सीखने में 🤦‍♀️दिक्कत होती है ।बच्चे नाम सीख भी लेते हैं तो उनका क्रम याद नहीं रख पाते कि कब कौन सा प्रधानमंत्री हुआ लेकिन 👩‍🏫शिक्षिका शकीला मलिक द्वारा ,यह जटिल प्रयास भी संभव हो पाया ।शिक्षिका शकील मलिक ने शॉर्ट ट्रिक द्वारा प्रधानमंत्री के नाम बच्चों को आसानी से सिखाए ।शिक्षिका ने चार्ट पर शॉर्ट ट्रिक उतारते हुए बच्चों को सरलतापूर्वक इस क्रम को याद करवाया । शॉर्ट ट्रिक निम्न है :

🌸🌸जलाई मोच इराविचन अदेई अमन।🌸🌸

टी एल एम बनाने हेतु उपयोगी सामग्री -चार्ट ,कलर ,पेंसिल एवं प्रधानमंत्रियों की फोटो। किसी विशेष सामग्री की आवश्यकता नहीं है।

Step1:-
सर्वप्रथम चार्ट पर शिक्षिका ने ,प्रधानमंत्रियों के फोटो जिनके नीचे प्रधानमंत्री के नाम भी लिखे हुए थे ,क्रमानुसार लगाए ।

Step2:-Step2 में शिक्षिका ने फोटो के नीचे ट्रिक लिखी -"जलाईमोच इराविचन अदेइ अमन।"

Step3:-तीसरे चरण में शिक्षिका ने ट्रिक के प्रत्येक अक्षर से प्रधानमंत्री का नाम लिखा। जैसे-

ज - जवाहरलाल नेहरू
ला- लाल बहादुर शास्त्री
ई - इंदिरा गांधी
मो - मोरारजी देसाई
च - चौधरी चरण सिंह
ई - इंदिरा गांधी
रा - राजीव गांधी
वि -विश्वनाथ प्रताप सिंह
च - चंद्रशेखर
न -नरसिम्हा राव
अ -अटल बिहारी बाजपेई
दे - देवगौडा (एच डी देवगौड़ा)
इ - इंद्र कुमार गुजराल
अ -अटल बिहारी वाजपेई
म - मनमोहन सिंह
न - नरेंद्र दामोदर दास मोदी।

इसके अलावा शिक्षिका ने फोटो के साइड में प्रधानमंत्रियों के नामों की एक सूची बनाई ,जिसमें कार्यवाहक प्रधानमंत्रियों के नाम भी लिखें ,जिससे छात्र प्रधानमंत्रियों के नामों के साथ-साथ कार्यवाहक प्रधानमंत्रियों के नाम भी सीख पाए।

Step4:-इसके पश्चात शिक्षिका ने बच्चों को ट्रिक के बारे में समझाया । ट्रिक का चार बार उच्चारण करवाया । जिससे ट्रिक बच्चों को अधिगम हो जाती है ,अब ट्रिक का विस्तारित रूप बच्चों को समझाया गया इसके पश्चात चार्ट को हटा लिया जाता है तथा ट्रिक को ब्लैक बोर्ड पर लिख दिया जाता है जिससे छात्र कठिन प्रकरण को भी आसानी से सीख गए ।इसके अलावा शिक्षिका द्वारा अनेक टीएलएम बनाए गए ।जिनका विवरण कुछ इस प्रकार है - सौर मंडल, चौरी चौरा कांड, सौर मंडल पर ग्रहों की कविता ,समाज सुधारक आदि ।

■ लर्निंग आउटकम ■

बच्चों को प्रधानमंत्रियों के नामों का स्थाई ज्ञान प्राप्त हुआ। छात्रों केआत्मविश्वास में वृद्धि हुई जिससे बेहतर लर्निंग आउटकम्स प्राप्त हुआऔर छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हुआ।

innovative & creative teachers 34 BAGHPAT

★ शिक्षिका का परिचय ★

शकीला मलिक
सहायक अध्यापिका
उच्च प्राथमिक विद्यालय, बरनावा
विकास क्षेत्र- बिनौली (बागपत)
ईमेल : -shakilamalik9634@gamil.com

:: विचित्रा वीर ::

🏵️🏵️ दो पल की है जिंदगी,इसे जीने के सिर्फ दो असूल बना लो।
हो तो फूलों की तरह ,बिखरो तो खुशबू की तरह।🏵️🏵️

इन शब्दों की तरह कुछ जिंदादिली का अहसास लिए ऐसे ही हमारी जनपद की अध्यापिका है , जिनका नाम श्रीमती विचित्रा है। वैसे तो विचित्रा जी में अपनी बुलंद आवाज और मोटिवेशनल भाषणों के द्वारा पूरे जनपद में एक खास पहचान बनायीं हुईं हैं। इन👩के जोश भरे शब्दों को सुनकर बागपत के सभी शिक्षकों में जोश आ जाता है । पर लॉकडाउन की ऐसी जटिल परिस्थितियों में वे अपने घर🏡से लगातार बच्चों को ऑनलाइन💻 शिक्षा के माध्यम से प्रेरित कर रही हैं। व्हाट्सएप पर वीडियो बनाकर चैप्टर्स को पढ़ा रही है और बच्चों को उससे संबंधित कार्य भी देती हैं। अध्यापिका👩 के लिए यह अनुभव जरूरी नवीन है परंतु फिर भी इस नवीन अनुभव को अपने 👧बच्चों 👦के साथ मिलकर बखूबी साझा कर रही हैं । वह कक्षा १ से ५ तक के बच्चों को लिए दृश्य👁️👁️ और श्रव्य 🔉 संसाधनों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा करा रही हैं। साथ-साथ पाठ योजनाएं भी तैयार कर रहीं हैं ताकि वे अच्छे से विषय वस्तु को समझा सके। बच्चों को और अच्छी तरीके से पाठ को समझाया जा सके।

• नवाचार •

अंग्रेजी की कविता को चार्ट पर बनाकर खुद लयबद्ध तरीके से 🎵गाकर 🎼प्रस्तुतिकरण।

Poem
👸 Mary's lamb
🐑🐏🐑

👸Mary had a little🐏 lamb,
It's fleece was 🐑white as 💭
snow,
And everywhere that Mary
🚶went
That lamb was sure to go:🐏

He followed her to school one day-
That was against the rule,
It made the children laugh and play,
To see a lamb at school.
And so the teacher turned him out,
But still he lingered near,
And waited patiently about,
Till Mary did appear:
And then he ran to her and laid
His head upon her arm,
As if he said-"I'm not afraid -
You 'll keep me from all harm".
Sarah josepha hale

■ लर्निंग आउटकम ■

इस कविता के माध्यम से अध्यापिका ने बच्चों को पढ़ाया की कैसे जानवर हमारे दोस्त होते हैं। वह अपने मालिक के प्रति कितने वफादार होते हैं। खासतौर पर जानवर बच्चों को बहुत प्यार करते हैं।

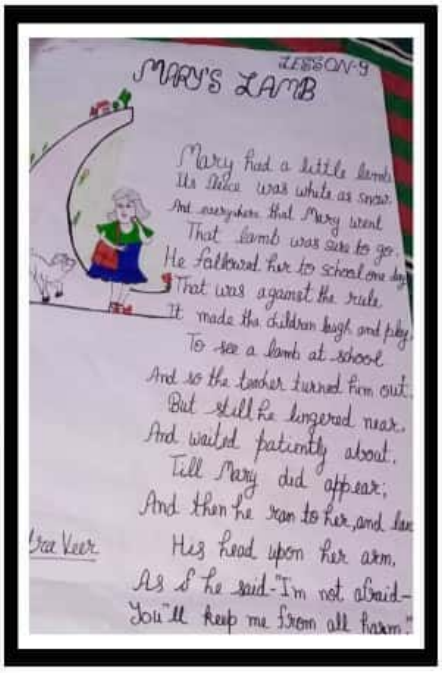

बच्चों ने इस कविता का बहुत आनंद लिया और अध्यापिका को व्हाट्सएप्प पर सुनाया और रिकॉर्डिंग करके भेजी।

चार्ट पर बने चित्र को कॉपी पर उतारा और अपनी पसंद के रंगों से सजाया। जानवरों के प्रति उनकी प्रेम की भावना बढ़ी।

★ शिक्षिका का परिचय ★

विचित्रा वीर
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय कहरका
ब्लॉक- पिलाना (बागपत)

अध्यापिका के वीडियो का लिंक
https://youtu.be/1zZrupbijjU

:: नीलम देवी ::

🍁 कर ले हम पर ,कितने भी हसीं सितम
पर रुकना तो हमने सोचा ही नहीं था
ना करने हैं अब पीछे यह कदम 🍁

इन मजबूत शब्दों की पंक्तियों की तरह अध्यापिका नीलम देशवाल जी का भी चरित्र कुछ ऐसा ही है । विभिन्न विषम परिस्थितियों में रहते हुए भी वह अपने कर्तव्य क्षेत्र से विमुख नहीं हो पाई । इन्ही कर्तव्यों की श्रृंखला में जब सारा देश कोरोना की विषम महामारी को झेल रहा है तो विभाग द्वारा प्रदान की गई ऑनलाइन शिक्षा की जिम्मेदारी को निभाते हुए अध्यापिका ने अपने विद्यालय के बच्चों को घर बैठे-बैठे ही पढ़ाना शुरू किया और जैसा उनके व्यक्तित्व में शामिल है कि वह पढ़ाई को बहुत महत्व देती हैं और उस को सफल बनाने के लिए नवाचार करती रहती हैं ।

• नवाचार •

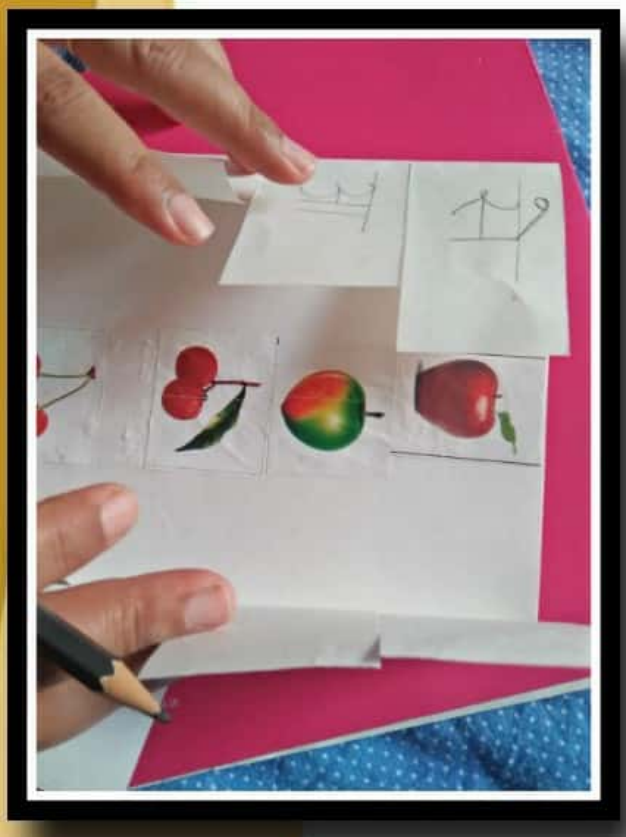

शब्दावली का निर्माण व शब्दों का मेल मिलाप।
अध्यापिका ने बच्चों को शब्दों को चित्रों से जोड़कर शब्द बनाना सिखाया।
शब्दों को चित्रों से मेल कराने के लिए पेपर पर एक तरफ वर्ण और दूसरी तरफ उससे सम्बन्धित चित्र को बनाया ।
फ़ 🌼🌸🌻🌷 फूल।
ट 🍅🍅🍅🍅 टमाटर
अध्यापिका ने खुद से चार्ट बनाकर फलों 🍑🍏🍎🍓🍅🍋🍇 के नाम
वस्तुओं 🍨🍯🚤🖼️🚕⌚🎈🏆 के नाम,
दिनों के नाम जैसे 🌞वार , 🔵वार आदि
को चित्रों से जोड़कर याद कराया।

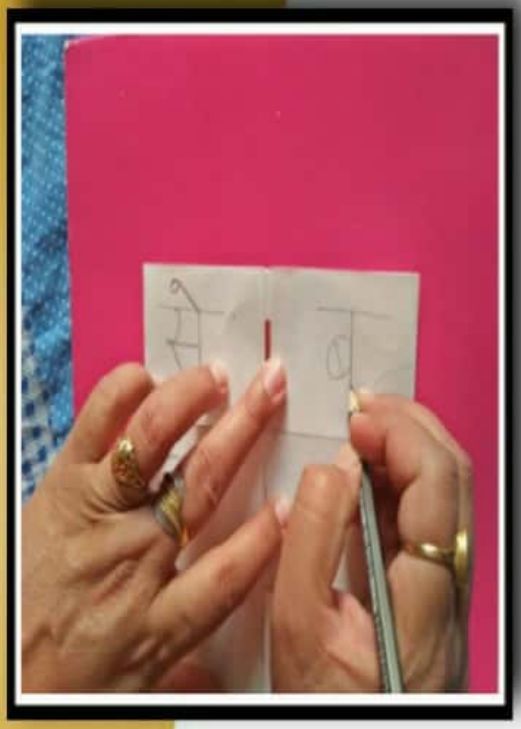

◆ लर्निंग आउटकम ◆

इस नवाचार में सभी बच्चे विषय पर ध्यान देते हैं तथा शब्दावली 📝 निर्माण में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करते हैं। बच्चे इस आसान गतिविधि को स्वयं करके बहुत खुश होते हैं। सभी बच्चों का पूरा ध्यान इस गतिविधि पर केंद्रित रहता है और व्यस्त रहते हैं। इस नवाचार के माध्यम से 👦बच्चे 👧बहुत जल्दी शब्दावली पढ़ना 📖व लिखना🖍️ सीख जाते हैं। चित्रों 🖼️ से भी शब्दों को जोड़ना सीख जाते हैं जिससे बच्चे चित्र देखकर कहानी✏️ निर्माण की और अग्रसर हो जाते हैं।

★ शिक्षिका का परिचय ★

श्रीमती नीलम देवी
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय, निवाड़ा
विकास क्षेत्र - बागपत (बागपत)
उत्तर प्रदेश

अध्यापिका के वीडियो का लिंक👇

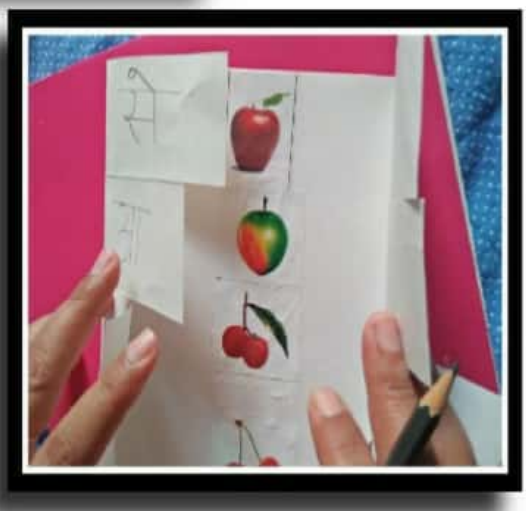

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=2681248045483908&id=100007962162758

:: मोनू सिंह ::

"गणित एक ऐसा उपकरण है जिसकी शक्ति अतुल्य है और जिसका उपयोग सर्वत्र है ; एक ऐसी भाषा जिसको प्रकृति अवश्य सुनेगी और जिसका सदा वह उत्तर देगी।"

प्राथमिक विद्यालय सिंगोलीतगा की शिक्षिका **मोनू** सिंह ने लॉकडाऊन जैसी विषम परिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षण में बच्चों को गणित की जटिल संकल्पनाओं को सरल करने के लिए दैनिक जीवन के बहुत साधारण उदाहरणों से विषय को आसान बनाने के लिए अनेक सार्थक प्रयास किए।

• नवाचार •

गणित विषय के भिन्नों (अंश/हर) की संकल्पना को सरल व रोचक उदाहरणों से समझाना।

शिक्षिका ने ऑनलाइन शिक्षण में दैनिक जीवन के कुछ साधारण उदाहरणों के द्वारा भिन्नों की संकल्पना को समझाया जैसे-

शिक्षिका द्वारा एक रोटी का उदाहरण लिया गया सबसे पहले उन्होने रोटी को 2 भागों में विभाजित कर के 1/2 की संकल्पना समझाई फिर रोटी को 4 भागों में विभाजित कर के 1/4 को संकल्पना को बेहतर तरीके से समझाया जिसको बच्चों से सही ढंग से सीखा।

शिक्षिका ने अनेक आकृतियों के माध्यम से उनका कुछ भाग छायादार बनाकर उत्कृष्ट तरीके से भिन्नों को समझाया व अंश और हर का परिचय कराया जिसको बच्चों ने बड़ी तन्मयता के साथ सीखा।

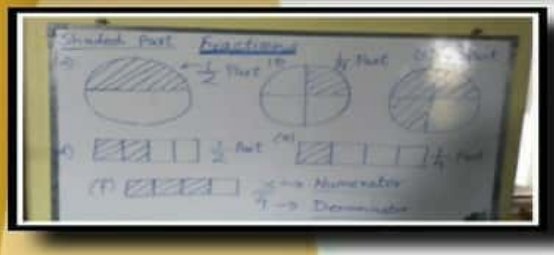

◆ लर्निंग आउटकम ◆

शिक्षिका द्वारा भिन्नों की संकल्पना से बच्चों की गणित विषय के लिए तार्किक समझ बढ़ी।बच्चों ने गणित का व्यवहारिक ज्ञान सीखा।

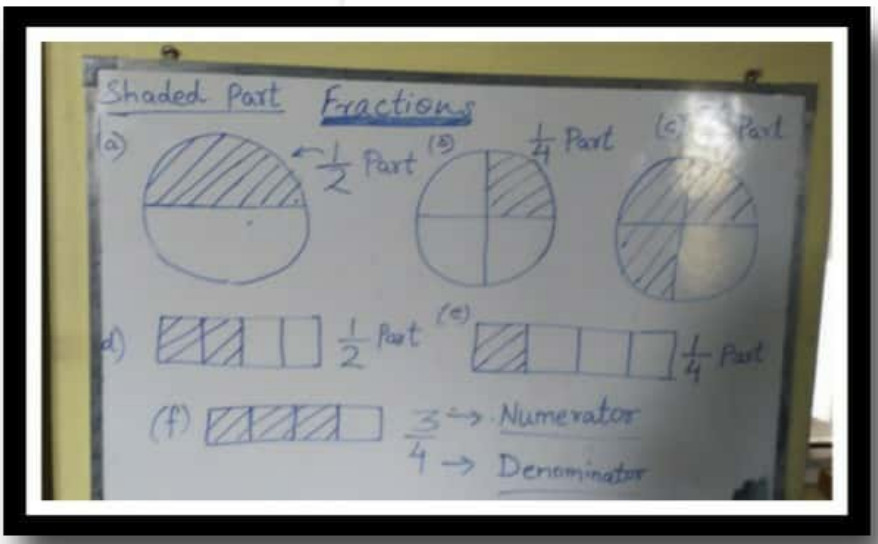

★ शिक्षिका का परिचय ★

मोनू सिंह
(सहायक अध्यपिका)
प्राथमिक विद्यालय,सिंगोली तगा
विकास खण्ड-खेकडा
जनपद-बागपत उ0प्र0

अध्यापिका के द्वारा बनाये गए वीडियो के लिंक यहाँ पर हैं। इस लिंक को खोलकर आप वीडियो देख सकते हैं।

https://youtu.be/Mrir7JLbUCM

:: राधा रानी ::

🌸राह संघर्ष की जो चलता है, ..वही संसार को बदलता है।
जिसने रातों से है जंग जीती...सुबह सूर्य बनकर वही चमकता है।।🌸

इसी कथन को सत्य कर दिखाया है ,शिक्षिका श्रीमती राधा रानी 👩‍🏫प्राथमिक विद्यालय गौरीपुर जवाहर नगर \,की प्रधानाध्यापिका ने । शिक्षिका राधा रानी ने महामारी संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लॉक डाउन के कारण विषम परिस्थितियों ,मे भी अपने विद्यालय के बच्चों को जोड़े रखने के लिए ऑनलाइन क्लास का प्रारंभ करते ,हुए संस्कृत जैसे विषय को सरल बनाने के लिए, कहानी माध्यम से बच्चों को रुचि पूर्ण तरीके से वीडियो 📹के माध्यम से संस्कृत का अभ्यास कराया ।👩‍🦱👩‍🦰👨‍🦲बच्चों ने वीडियो के माध्यम से न केवल संस्कृत जैसे विषय को समझा बल्कि उस कहानी के पीछे उद्देश्य से एक सीख भी ली ।🧐🤗🤗

● नवाचार ●

राधा जी ने संस्कृत विषय को रोचक 🤗बनाने के लिए वीडियो🎞🎞 तथा 📊 बनाकर ,कहानी सुनाते हुए बच्चों👦👧 को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। जिससे बच्चों में संस्कृत विषय पढ़ने की रुचि जाग्रत हुई।जैसे कि हम सभी को पता है कि बच्चा सामने दिख👀👀 रहे ज्ञान को जल्दी ग्रहण कर पता है ,बजाये उसे पढ़ने के।शिक्षिका ने इसी चीज को ध्यान में रखते हुए, 📚किताबों में लिखी हुई कहानी 📄को एक सुन्दर वीडियो💻 के रूप में ढाल कर उस कहानी को और रोचक बना दिया ।

संस्कृत की किताबों 📚में लिखी कहानी को शिक्षिका ने ,अपने वीडियो 🎞के माध्यम से ,पाठ में छिपे ज्ञान को बच्चों 👧👦तक पहुंचाया ।यही नहीं शिक्षिका ने ,उस कहानी को, एक संक्षिप्त रूप देकर चार्ट 📜के माध्यम से, भी स्पष्ट किया ।इस तरह के प्रयोग से बच्चों👧👦 के अंदर.....निम्न चीजों का विकास हुआ -🤗🤗🤗

१.सीखने🤗 और समझने 🤔की क्षमता विकसित हुई।
२.बच्चों ने कहानी को सुनने में और देखने 👀में रुचि दिखाई ।
३.संस्कृत जैसी भाषा को सुन 👂कर बोलने🗣️ की क्षमता में वृद्धि हुई ।
४.दृश्य श्रव्य सामग्री से बच्चे 👧👧परिचित हुए ।
५.👦👩बच्चों में कल्पना शक्ति का विकास हुआ ।
६.संस्कृत के छोटे छोटे सरल वाक्यों के द्वारा वार्तालाप की कुशलता प्राप्त हुई।
७.📖शब्दकोश के भंडार में वृद्धि हुई ।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

कहानी सुनने 🤓और सुनाने में रुचि जाग्रत हुई। 👧👦बच्चों में कहानी के माध्यम से संस्कृत 📗पढ़ने में रुचि उत्पन्न हुई। बच्चों ने चित्र 📊बनाकर दिखाएं। अपनी मनपसंद कहानी सुनाते हुए वीडियो बनाकर दिखाई। कहानी से संबंधित चित्र भी बनाकर दिखाएं। बच्चों में रचनात्मकता और कलात्मकता का बोध हुआ।

★ शिक्षिका का परिचय ★

श्रीमती राधा रानी
(प्रधानाध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय गौरीपुर जवाहर नगर १
विकास क्षेत्र-बागपत (बागपत) उ0प्र0
ईमेल: raniradha2378@gmail.com

:: मनोज त्यागी ::

"शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं बल्कि क्रिया है।"

हर्बर्ट स्पेंसर की इन पँक्तियों को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक विद्यालय कहरका के सहायक अध्यापक मनोज त्यागी ने लॉकडाऊन के समय में बच्चो को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। बच्चो को किताबों के ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी आवश्यक है इसके लिए शिक्षक ने दैनिक व्यवहार में प्रयोग होने वाली वस्तुओं से शिक्षण को जोड़ने का प्रयास किया।

• नवाचार •

व्यर्थ फेंक दी जाने वाली चीजों से बच्चो के व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि कराना।

प्राय: देखा जाता है कि बच्चे चिप्स, कुरकुरे,नमकीन आदि के खाली पैकिटों को फेंक देते हैं लेकिन शिक्षक ने खाली पैकिटों से बच्चों के व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि कराने के उद्देश्य से बच्चों द्वारा एकत्रित किए गए पैकिटों पर लिखी कुछ जानकारियों के बारे में प्रश्न पूछने जैसी रुचिकर गतिविधियाँ कराते हैं।

जैसे-

शिक्षक- बच्चों इस पैकेट पर हिन्दी में क्या लिखा है?

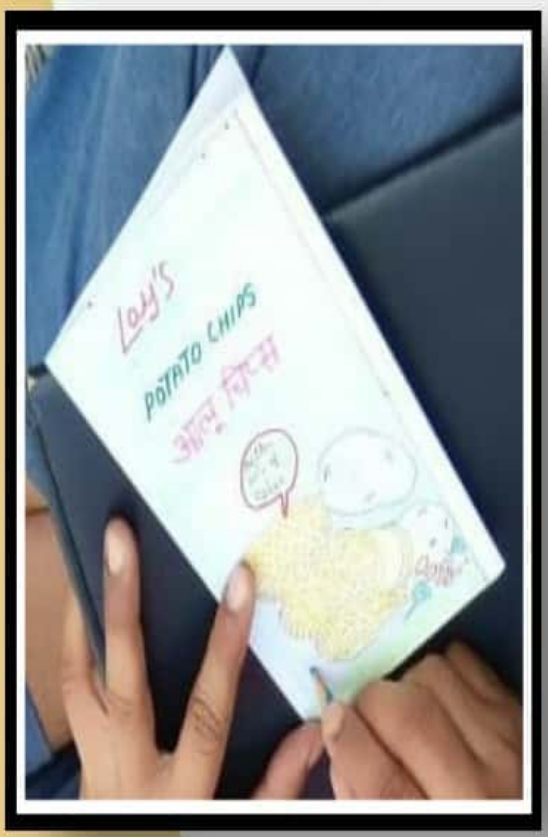

बच्चे - चिप्स।

शिक्षक - बच्चों इस पैकेट पर अंग्रेजी में क्या लिखा है?

बच्चे - CHIPS .

शिक्षक - बच्चों इस पैकेट पर वज़न कितना लिखा है?

बच्चे - देखकर 10g.

शिक्षक - बच्चों यह पैकेट कहां बनाया गया है?

बच्चे - Delhi.

शिक्षक - बच्चों पैकेट पर लिखा दिल्ली का पिनकोड क्या है?

बच्चे - देखकर बता देते हैं -110001.

शिक्षक - बच्चों इस पैकेट पर कीमत क्या लिखी है?

बच्चे - 5रु.

इस तरह की गतिविधियों से छात्र बहुत जल्दी सीखतें हैं।

innovative & creative teachers
43
BAGHPAT

◆ लर्निंग आउटकम ◆

बच्चे व्यर्थ पड़े चिप्स, कुरकुरे, नमकीन आदि के खाली पैकिटों से हिन्दी, अंग्रेजी, गणित व सामाजिक विज्ञान भाषा को सरलता सीख पा रहें हैं जिससे उनमें व्यवहारिक ज्ञान की वृद्धि होती है।

★ शिक्षक का परिचय ★

मनोज कुमार त्यागी
(सहायक अध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय, कहरका
वि0क्षे0 - पिलाना (बागपत)
व्हाट्सएप नंबर - 7060274956
manojkumartyagi79@gmail.com

:: निशा सहरावत ::

☘☘"मुश्किलें वो चीज़े होती है,जो हमें तब दिखती है जब हमारा ध्यान लक्ष्य पर नहीं होता।"☘☘

हेनरी फोर्ड की उपरोक्त सकारात्मक पंक्तियो को चरितार्थ करते हुए प्राथमिक विद्यालय छपरौली न ३ की 👩‍🏫शिक्षिका निशा सहरावत ने लॉकडाउन जैसी मुश्किल घड़ी में बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा🖥️ देने की ठानी। शिक्षिका ने बच्चों को व्यर्थ पड़ी चीजों से उपयोगी चीजें बनाना सिखाया व शिक्षा को रुचिकर बनाने के लिए आकर्षक शिक्षण सामग्री का निर्माण किया।

● नवाचार ●

पुरानी वस्तुओं का सदुपयोग करते हुए व्यर्थ पड़ी चीजों से बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं व शिक्षण सामग्री का निर्माण करना।

👩‍🏫शिक्षिका ने कोरोंना काल जैसे मुश्किल समय में समय का सदुपयोग करते हुए बच्चों को शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया। शिक्षिका ने बच्चों को प्रकृति🌳🌴 से प्रेम करना, कबाड़ से जुगाड़ कर के पाठन सामग्री📚🧮 बनाना और साज सज्जा के सामान बनाना सिखाया।

। 👩‍🏫शिक्षिका द्वारा लकड़ी की चम्मच पर दिनों के नाम, महीनों के नाम लिख कर शिक्षण को रुचिकर बना कर बच्चों को सिखाया। शिक्षिका ने बच्चों को बोतल से गमले बनाना व बगिया तैयार करना सिखाया। शिक्षिका बच्चों को पक्षियों के लिए प्रतिदिन दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित करती है।👩‍🏫 शिक्षिका द्वारा बच्चों को दीवार पर विभिन्न प्रकार की कलाकृति बनाना सिखाया गया जो बच्चों ने अपने घरों में भी बनायीं। 👩‍🏫शिक्षिका द्वारा व्यर्थ पड़े हुए कॉफी कप🥤 से शिक्षण सामग्री बना कर गणित शिक्षण🧮 को बच्चों के लिए रुचिकर बनाया और बच्चों नें यह शिक्षण सामग्री स्वयं बनाने का प्रयास भी किया।

शिक्षिका द्वारा बच्चों के पूर्व ज्ञान को जोड़ते हुए गणित शिक्षण के लिए गणित का प्रारंभिक ज्ञान ➕जोड़, ➖घटा, गुणा, ➗भाग,प्राकृतिक संख्या1️⃣-9️⃣, पूर्ण संख्या, रोमन संख्या, स्थानीय मान आदि का ज्ञान कराया गया व वीडियो कॉल🤳 द्वारा समय-समय पर बच्चों की मौखिक परीक्षा भी ली गई।

◆ लर्निंग आउटकम ◆

शिक्षिका द्वारा व्यर्थ पड़े सामान का सदुपयोग करना सिखाया गया जिससे बच्चों में कलात्मक व सृजनात्मक क्षमता का विकास हुआ। रुचिकर गणित शिक्षण सामग्री से बच्चों का तार्किक विकास हुआ।

innovative & creative teachers
46
BAGHPAT

★ शिक्षिका का परिचय ★

निशा सहरावत
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय न.३ छपरौली
विकास क्षेत्र- छपरौली (बागपत)

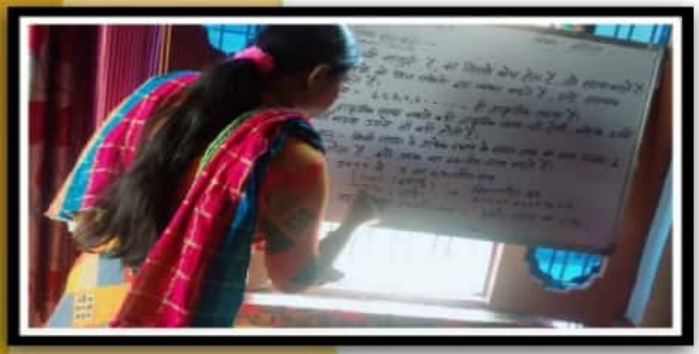

:: अजय शर्मा ::

अगर बच्चे को गोदी लो ,तो बाहें पहले आती हैं,
हर कोशिश का दर्जा कामयाबी से भी ऊंचा है,मंजिले बाद में आती हैं ,राहे पहले आती हैं।

कोरोना के विश्वव्यापी संकट में इतने जोश भरे विचारों को अपने जीवन में उतारने वाले अध्यापक श्री अजय कुमार शर्मा जी का परिचय भी ऐसा ही है । उन्होंने इस समय की विषम परिस्थितियों को देखते हुए किस तरह से बच्चों को इस ऑनलाइन शिक्षा के लिए प्रेरित किया और इस कक्षा का संचालन बहुत ही सुगमता के साथ कर रहे हैं ।

● नवाचार ●

अध्यापक के कथनानुसार बच्चों को ऑनलाइन क्लास से जोड़ना सबसे पहली चुनौती थी । इसके लिए विद्यालय के 4-4 बच्चों के दो समूह बनाए गए और उनको अन्य बच्चो को भी विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ने का कार्य सौंपा गया । बच्चों ने बहुत ही कम समय में अन्य बच्चों को भी ग्रुप से जोड दिया। इसके लिए बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

उसके बाद बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के चार्ट, पोस्टर तथा मॉडल तैयार किए गए । जिससे की बच्चों में ऑनलाइन क्लास के प्रति रुचि उत्पन्न हो। इस कार्य के लिए कुछ ऑडियो वीडियो भी तैयार की गई जिससे बच्चे पाठ्यवस्तु को अच्छी तरह से समझ सके।

बच्चों के लिए वर्ग पहेली का निर्माण भी किया गया। साथ ही एक कला प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। इसके उपरांत बच्चों को विद्यालय की ओर से सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

संस्कृत भाषा, हिंदी -अंग्रेजी कविताओं के चार्ट बनाकर बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ाया व समझाया गया। साथ ही गणित की विभिन्न संकल्पनाओ जैसे- आरोही-अवरोही क्रम 1 2 3 4 5 6 स्थानीय मान , अंकित मान, भिन्नों का जोड़ + व घटा − ल0स0 व म0स0 आदि को वीडियो बनाकर बच्चों को सरल तरीके से समझाया गया।

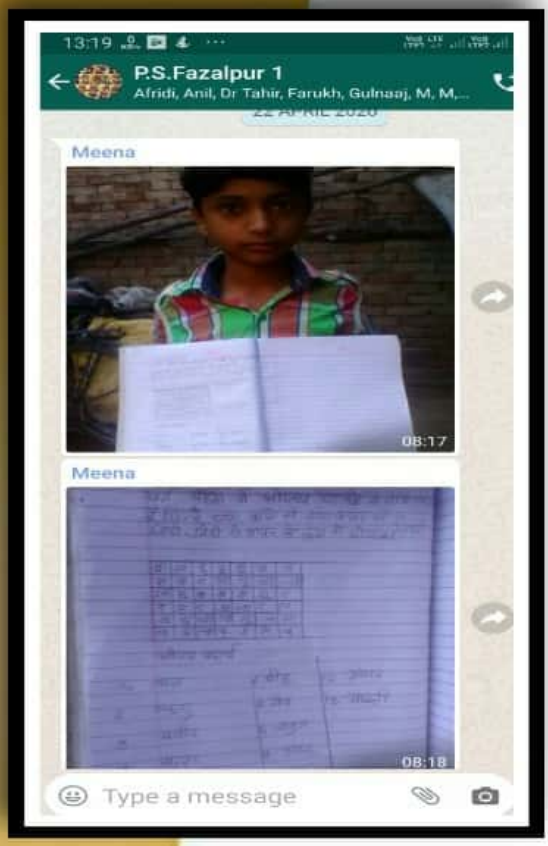

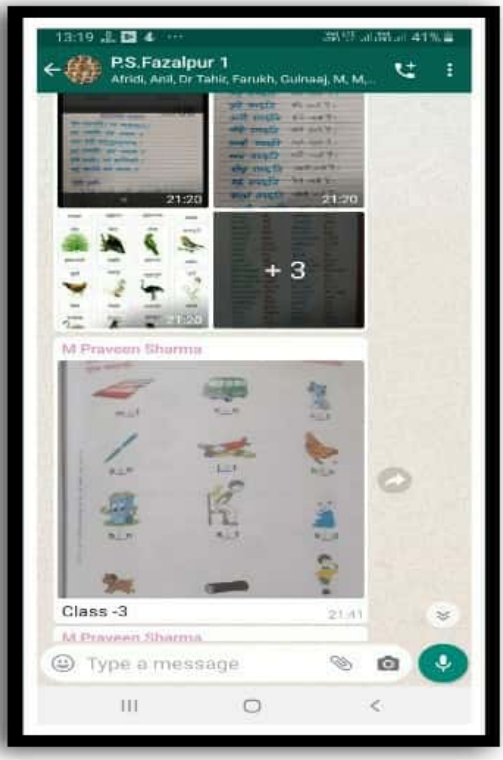

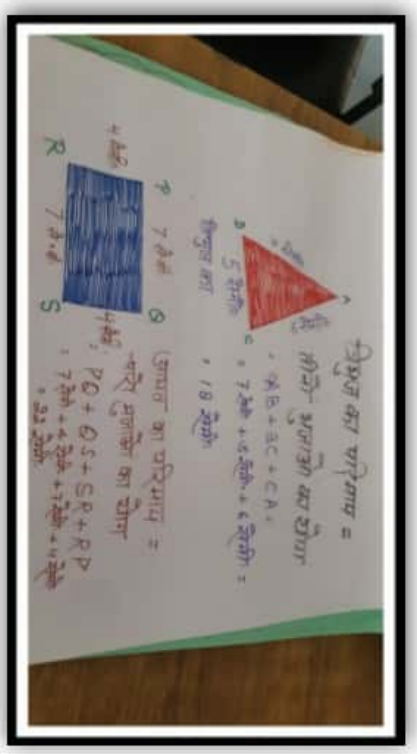

◆ लर्निंग आउटकम ◆

🎇अध्यापक की मेहनत का का परिणाम है कि आज बच्चे 👩👦👧👨उत्साह के साथ ऑनलाइन क्लास में भाग ले रहे हैं ।अभिभावकों का सहयोग भी मिल रहा है । पुरस्कार 🏆 स्वरूप सर्टिफिकेट पाने से बच्चों का मनोबल बढ़ा और प्रतियोगिता की भावना का भी जन्म हुआ जो कि किसी भी विद्यार्थी के लिए बहुत जरूरी होती है।🎇

★ शिक्षक का परिचय ★

अजय कुमार शर्मा

(सहायक अध्यापक)

प्राथमिक विद्यालय फजलपुर -।

विकासखंड- बिनौली,जिला -बागपत

उत्तर प्रदेश

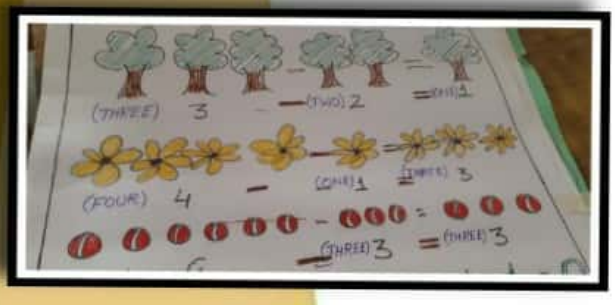

:: प्रतिभा ::

🌸🌸"हर छोटा बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है।"🌸🌸

उपरोक्त सकारात्मक पंक्तियों को सार्थक करते हुए प्राथमिक विद्यालय राठौड़ा न 2 की शिक्षिका ने कोरोना काल जैसी कठिन परिस्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए अपने विद्यालय के बच्चों को घर पर ही ऑनलाइन शिक्षा देने का प्रयास किया।ऑनलाइन शिक्षा के लिए शिक्षिका ने अनेक विषयों के सुन्दर TLM बनाए जिससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी। 👩‍🏫शिक्षिका ने हमारा परिवेश विषय से सम्बन्धित कई सुन्दर चार्ट बनाए व पौधें को TLM के रूप में प्रयोग कर बच्चों कर पौधें🌴 के मुख्य भागों और उनके कार्यों से अवगत कराया।

● नवाचार ●

हमारा परिवेश🌲 के कई विषयों के लिए आकर्षक शिक्षण सामग्री व एनिमेशन वीडियो बनाकर विषय को रुचिकर बनाना।

शिक्षिका ने एक गेंदे के पौधे 🌴को T.L.M. के रूप में लिया और बच्चों को पौधे के विभिन्न भागों से अवगत कराया। बच्चे पौधे🌳 को देखकर उनके विभिन्न भागों में अंतर बता पा रहे थे। बच्चों को इनका कार्य बताया कि किस भाग का क्या-क्या कार्य है? शिक्षिका ने एक चार्ट🗂️ के द्वारा चित्र बनाकर बच्चों को प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया समझाई। शिक्षिका ने एनिमेशन वीडियो बनाकर समझाया कि पौधे अपने भोजन का निर्माण कैसे करते हैं ? इनका स्रोत और माध्यम क्या-क्या है? और उत्पादन किस चीज का होता है? पौधे भी एक फैक्ट्री की तरह होते हैं यह कच्ची सामग्री के रूप में जल,खनिज लवण व मिट्टी के द्वारा तथा कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल से लेते हैं।जड़ द्वारा पौधे मिट्टी से जल अवशोषित करके तने व शाखाओं के माध्यम से पत्तियों तक पहुंचाते हैं।पत्तियां पौधों की रसोई घर होती है। कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल से पत्तियों🍀 द्वारा स्थित सूक्ष्म छिद्र द्वारा ग्रहण करते हैं। पत्तियां सूर्य के प्रकाश तथा पत्तियों🍀 में स्थित क्लोरोफिल की उपस्थिति में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया करके अपना भोजन (कार्बोहाइड्रेट) तथा ऑक्सीजन गैस बनाते हैं।क्लोरोफिल के कारण ही पत्तियों🌿 का हरा रंग होता है व क्लोरोफिल ही सूर्य की ऊर्जा को पत्तियों में इकट्ठा करने में मदद करता है। पौधे इस प्रकार से भोजन निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण होती है और यह क्रिया ही प्रकाश संश्लेषण कहलाती है। प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया द्वारा बना भोजन का उपयोग तुरंत नहीं होता है यह घुलनशील मंड यानी स्टार्च के रूप में इकट्ठा हो जाता है

शिक्षिका द्वारा प्रकाश संश्लेषण करने के कारक भी बताए गए:-

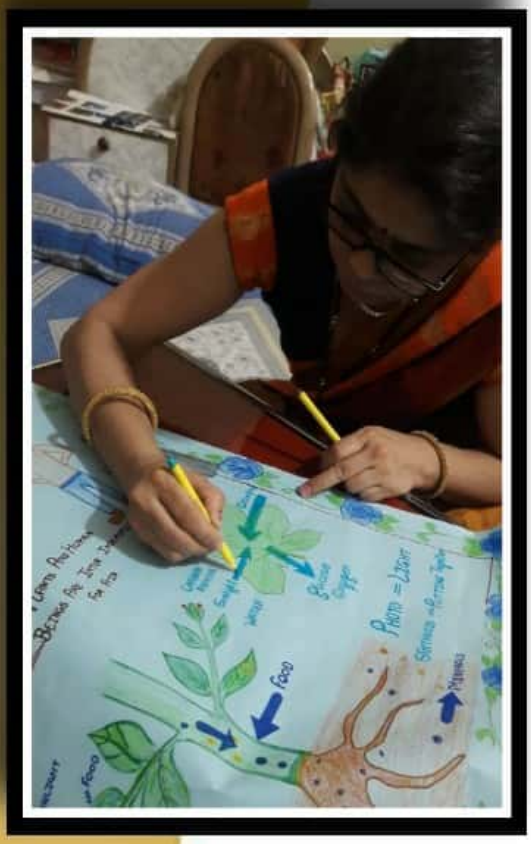

१) तापमान
२) उमस
३) जल
४) रोशनी
५) क्लोरोफिल
६) कार्बन डाइऑक्साइड
यह सब कारक का प्रकाश संश्लेषण की क्रिया को बढ़ाते हैं।

• लर्निंग आउटकम •

बच्चों का ज्ञानात्मक विकास हुआ।
एनिमेशन वीडियो से शिक्षा प्राप्त करना बच्चों को बहुत रुचिकर लगा व पौधे🌴 को अपने सामने से देख कर उसके सभी भाग व उनके कार्य आसानी से याद कर लिए।

Innovative & creative teachers
50
BAGHPAT

★ शिक्षिका का परिचय ★

प्रतिभा
सहायक अध्यापक
प्राथमिक विदयाल, न॰-2
वि॰क्षेत्र॰- छपरौली (बागपत)

अध्यापिका द्वारा बनाई गई वीडियो का लिंक यहां पर दिया गया है। इस लिंक को खोलकर आप वीडियो देख सकते हैं।

https://youtu.be/xOgWc32+T
-I

:: रजनी देवी ::

🌸जब तक किसी काम को किया नहीं जाता ,तब तक वह असंभव लगता है ।
मैदान से हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है ,लेकिन मन से हारा हुआ
इंसान कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता ।🌸

कुछ इन्हीं पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक विद्यालय शाहजानपुर विकास क्षेत्र बिनौली की सहायक अध्यापिका👩‍🏫 श्रीमती रजनी देवी ने लॉक डाउन जैसी परिस्थिति मैं बच्चों👦👧 को ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से बच्चों में रुचि पूर्ण तरीके से अपने विषय अंग्रेजी का अध्ययन कराया ।शिक्षिका ने अंग्रेजी को सरल बनाने के लिए डेमोस्ट्रेशन एंड पोजीशनिंग मेथड (प्रदर्शन विधि एवं हाव भाव विधि)द्वारा संज्ञा का शिक्षण कार्य कराया ।

● नवाचार ●

शिक्षिका 👩‍🏫ने शिक्षण की शुरुआत कुछ वास्तविक उपकरणों को प्रस्तुत , कर उनके नाम बता कर ,कुछ विद्यार्थियों👩👱👵👨‍🦲 के नाम बताकर तथा कुछ पशु -पक्षी🐶🐱🐯🦁🐴🐒🐍🐟🐄🐃🐓🦚🦜🦢 ,कुछ फल -सब्जी 🍎🍌🥭🍆🍅🥦🥕आदि के नाम बताकर नाउन या संज्ञा की व्याख्या करी।शिक्षिका👩‍🏫 ने बच्चों को बताया कि हमारे चारों➡⬅⬆⬇ तरफ जो कुछ भी दिखाई पड़ता है ,उन सबका नाम होता है ।फिर चाहे वो किसी👦 व्यक्ति का नाम हो, किसी वस्तु 🏀या किसी स्थान 🏙का नाम ।इन सब के नामों को ही संज्ञा कहा जाता है ।इसके बाद अध्यापिका अपने एक्सप्रेशंस और मूड को चेंज करती है और बच्चों को बताती है कि इसे 🤗प्रेम का भाव कहते हैं, इसे 😔दुख का भाव कहते हैं ,इसे 🤓आनंद का भाव कहते हैं, इसे 🤤भूख का भाव कहते हैं, इसे 😩दर्द का भाव कहते हैं, इसे 😠गुस्से या 😤क्रोध का भाव कहते हैं आदि। और इन सब भावों के नाम को भी संज्ञा कहते हैं।अध्यापिका नाउन या संज्ञा का ज्ञान चार्ट के माध्यम से भी कराती है।

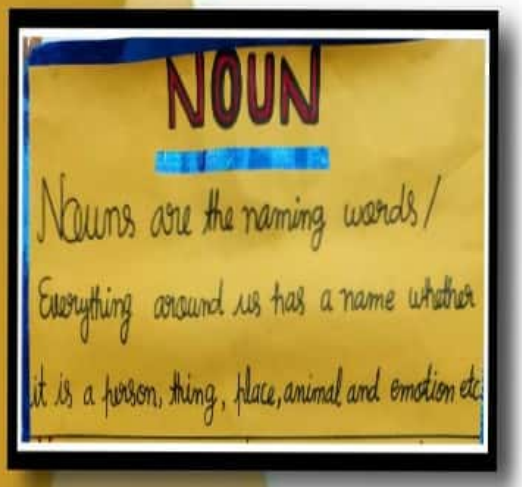

◆ लर्निंग आउटकम ◆

बच्चों ने अंग्रेजी विषय को न केवल समझा और ज्ञान को ग्रहण किया बल्कि चार्ट के माध्यम से दिखाई हुई समस्त चीजों का अपने आस पास की चीजों से अवलोकन भी किया ।बच्चों ने एक व्यक्ति के अंदर होने वाले सभी प्रकार के भावों को संज्ञा के माध्यम से जाना ।

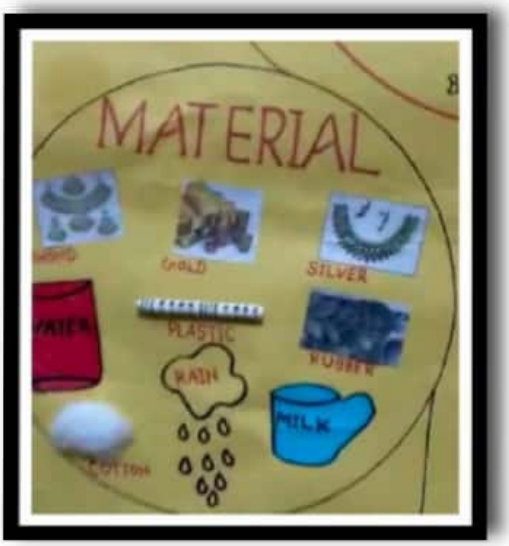

★ शिक्षिका का परिचय ★

रजनी देवी
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय
शाहजहाँपुर
विकास क्षेत्र -बिनौली
(बागपत)
ईमेल :rajnidevidevi1983@gmail.com